CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-51
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, मंगलवार, 28 मई 2024

आज का विचार

मजबूत किरदार के लोग हालात और हाल की बजाय हल पर तवज्जों देते हैं।

सिंगल कॉलम

नौतपा के चलते बालक राम पी रहे फलों का जूस, पहन रहे सूती कपड़े

अयोध्या। नौतपा के चलते तापमान 40 डिग्री से ऊपर पहुंच गया है। ऐसे में रामनगरी के मंदिरों में विराजमान भगवान की दिनचर्या भी बदल गई है। राममंदिर में विराजमान बालक राम के राग-भोग में बदलाव कर दिया गया है। उन्हें भोग में दही और फलों का जूस दिया जा रहा है। शीतल आरती हो रही है। सूती वस्त्र पहनाए जा रहे हैं।रामर्मंदिर में रामलला पांच वर्ष के बालक के रूप में विराजमान हैं। इसलिए ठंडी व गर्मी से बचाने के लिए विशेष इंतजाम किए जाते हैं। राममंदिर के पुजारी प्रेमचंद्र त्रिपाठी ने बताया कि इस समय चूंकि नौतपा चल रहा है और गर्मी का प्रकोप बढ़ गया है। इसलिए रामलला को भोग में शीतल व्यंजन दिए जा रहे हैं। उन्हें सूती वस्त्र पहनाए जा रहे हैं। सुबह पहले दीपों से आरती होती थी, अब चांदी की थाली में चारों तरफ फूल बिछाकर आरती की जाती है। साथ ही भोग में उन्हें सुबह और शाम दही दी जाती है। इसके अलावा फलों का जूस व लस्सी का भी भोग लगता है। भोग में मौसमी फल भी शामिल किए जाते हैं। लक्ष्मण किला में विराजमान ठाकुर व किशोरी जी को गर्मी से बचाने के लिए गर्भगृह में एसी लगाई गई है। मंदिर के अधिकारी सूर्यप्रकाश शरण बताते हैं कि भगवान की प्राण-प्रतिष्ठा होने के बाद माना जाता है कि उनमें प्राण हैं। इसीलिए भोग, श्रृंगार व विश्राम की व्यवस्था की जाती है। इसी मान्यता के चलते भगवान की मौसम के हिसाब से सेवा भी की जाती है। भगवान को इस समय खीरा, सत्तू, दही सहित शीतलता प्रदान करने वाले व्यंजनों का भोग अर्पित किया जा रहा है।

राजकोट में 27 मौतों के मामले में सात अफसर सस्पेंड, तीन आरोपी गिरफ्तार

राजकोट। गुजरात के राजकोट शहर में शनिवार शाम हुए हादसे में लगातार राज्य सरकार कार्रवाई कर रही है। अब सरकार ने लापरवाही बरतने के लिए दो पुलिस निरीक्षकों और नागरिक कर्मचारियों सहित सात अधिकारियों को निलंबित किया है। इसके अलावा मामले में अब तक कुल तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। रविवार को दो लोगों को गिरफ्तार करने के बाद सोमवार को इस मामले में एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि टीआरपी गेम जोन में भीषण आग लगने के कारण 12 बच्चों समेत 27 लोगों की मौत हो गई थी। हादसे के बाद गेम जोन के मालिक और प्रबंधक को हिरासत में ले लिया गया था। मामले की जांच विशेष जांच दल (एसआईटी) कर रही है। एक सरकारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि मंजूरी दिए बिना गेम जोन को चलाने की अनुमति देने के लिए अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया गया है। सभी पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया गया है। खास बात यह है कि शनिवार को जिस गेम जोन में आग लगी थी, उसे बिना फायर एनओसी (अनापत्ति प्रमाणपत्र) के चलाया जा रहा था। राजकोट के पुलिस आयुक्त राजू भार्गव ने कहा कि गेमिंग जोन को सड़क और भवन विभाग से अनुमति मिली थी। गेम जोन के मालिक ने फायर एनओसी प्राप्त करने के लिए अग्नि सुरक्षा उपकरणों का प्रमाण प्रस्तुत किया था। एनओसी देने का काम अभी तक पूरा नहीं हुआ है।

केयर अग्निकांड मामले में आरोपियों को पुलिस रिमांड पर भेजा

नई दिल्ली। दिल्ली के विवेक बिहार स्थित बेबी केयर सेंटर अग्निकांड मामले के दोनों आरोपियों कोर्ट ने पांच दिन की रिमांड पर भेज दिया है। इस अग्निकांड में सात बच्चों की मौत हो गई थी। पकड़े गए दोनों आरोपी डॉक्टर हैं। कोर्ट ने आरोपी नवीन और आकाश को 30 मई तक पुलिस रिमांड पर भेजा है। शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि जांच के दौरान टीम ने जब अस्पताल के लाइसेंस की पड़ताल की तो उसकी अवधि समाप्त मिली। इसके अलावा दिल्ली सरकार के डीजीएचएस विभाग की ओर से अस्पताल को महज पांच बेड का अस्पताल चलाने की अनुमति थी। उसका उल्लंघन कर 12 बेड का अस्पताल चलाया जा रहा था। डीसीपी शाहदरा सुरेंद्र चौधरी के मुताबिक, जांच में पता चला कि अस्पताल की एनओसी भी 31 मार्च को समाप्त हो गई थी और अस्पताल को पांच बेड तक की अनुमति थी लेकिन उन्होंने 10 से अधिक बेड लगाए थे। इसके अलावा आपात की स्थिति में बाहर निकलने के लिए फायर एग्जिट सिस्टम भी नहीं था। इसलिए एफआईआर में आईपीसी की धारा 304 और 308 जोड़ दी है।

विपक्ष पर पीएम मोदी का बड़ा हमला

पिछले 24 सालों से गालियां खा-खाकर गाली प्रूफ बन गया हूं

लोकसभा चुनाव के सातवें चरण का मतदान 1 जून को होना है। इस दिन पीएम नरेंद्र मोदी की लोकसभा सीट वाराणसी में भी वोटिंग होगी। सातवें चरण के चुनाव से पहले नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष उन्हें पिछले 24 सालों से गालियां दे रहे हैं। समाचार एजेंसी एएनआई को दिए इंटरव्यू में पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 24 साल से गालियां खा-खा कर गाली प्रूफ बन गया हूं।मौत का सौदागर और गंदी नाली का कीड़ा किसने कहा था? पीएम मोदी ने आगे कहा,संसद में हमारे एक साथी ने हिसाब लगाया था, 101 गालियां गिनाई थी, तो चाहे चुनाव हो या न हो, ये लोग (विपक्ष) मानते हैं कि गालियां देने का हक उनका ही है और वे इतने हताश-निराश हो गए हैं कि गालियां देना अपशब्द बोलना उनका स्वभाव बन गया है। सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर भी प्रधानमंत्री मोदी ने प्रतिक्रिया दी। पीएम मोदी से जब पूछा गया कि सीएम अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया है कि पीएम मोदी तय करते हैं कि कौन जेल जाएगा। इसपर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, बेहतर होगा कि ये लोग संविधान पढ़ लें, देश के कानून पढ़ लें, मुझे किसी को कुछ कहने की जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे कहा, हिंदुस्तान के सभी राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ हमारे संबंध अच्छे हीं हैं। लोकतंत्र में हमारी दुश्मनी नहीं होती

है। अब सवाल ये हैं कि मैं मेरे संबंधों को संभालू या ओडिशा के भाग्य की चिंता करूं। तब मैंने रास्ता चुना की मैं ओडिशा के उज्जवल भविष्य के लिए अपने आप को खपा दूंगा। उसके लिए मेरे संबंधों की अगर मुझे बलि चढ़ानी पड़ेगी तो मैं तैयार हूं। लोकसभा चुनाव के बीच विपक्ष लगातार भाजपा पर आरोप लगा रही है कि पीएम मोदी आरक्षण खत्म कर देंगे। प्रधानमंत्री से जब ये सवाल पूछा गया तो उन्होंने कांग्रेस और विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, उन्होंने ये पाप किया है। मैं उसके खिलाफ बोल रहा हूं और इसीलिए उन्हें झूठ बोलने के लिए ऐसी चीजों का सहारा लेना पड़ रहा है। बीजेडी और नवीन पटनायक पर पीएम मोदी ने निशाना साधा। उन्होंने कहा,25 साल से ओडिशा में प्रगति नहीं हो रही है। सबसे बड़ी चिंता इस बात की है कि कुछ ऐसे लोगों की टोली है, जिसने पूरे ओडिशा की व्यवस्था पर कब्जा कर लिया है। ओडिशा अगर उन बंधनों से बाहर आएगा तो ओडिशा खिलेगा। उन्होंने आगे कहा,ओडिशा के पास इतने प्राकृतिक संसाधन हैं, इतने समृद्ध राज्य में गरीब लोगों को देखकर दुख होता है। ओडिशा भारत के समृद्ध राज्यों में से एक है। बहुत अधिक प्राकृतिक संपदा है और ओडिशा भी भारत के गरीब लोगों के राज्यों में से एक है, इसलिए ओडिशा के लोगों को उनका अधिकार मिलना चाहिए इसके लिए सरकार जिम्मेदार है। ओडिशा का भाग बदलने वाला है। ओडिशा की वर्तमान सरकार की एक्सपायरी डेट 4 जून है।

कश्मीर से धारा 370 हटने के बाद कश्मीर में आए बदलाव का भी पीएम मोदी ने जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने कहा,धारा 370 हटाने के फैसले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बताया, धारा 370 सिर्फ 4-5 परिवारों का एजेंडा था, ये न तो कश्मीर के लोगों का एजेंडा था और न ही देश के लोगों का एजेंडा था। अपने फायदे के लिए उन्होंने 370 की ऐसी दीवार बनाई थी और कहते थे कि 370 हटाओगे तो आग लग जाएगी। पीएम मोदी ने कहा कि आज ये सच हो गया है कि 370 हटने के बाद और एकता का एहसास हो रहा है। कश्मीर के लोगों में अपनेपन की भावना बढ़ रही है और इसलिए इसका सीधा परिणाम चुनाव, पर्यटन में भी दिख रहा है।

केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। अदालत ने सोमवार को स्वाति मालीवाल मारपीट मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। तीस हजारी कोर्ट के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सुशील अनुज त्यागी ने यह आदेश पारित किया। दिल्ली पुलिस ने 18 मई को कुमार को गिरफ्तार किया था। उसके बाद उन्हें पांच दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। 24 मई को उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। स्वाति मालीवाल आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सांसद हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि केजरीवाल के आवास पर कुमार ने उनके साथ मारपीट की। बिभव कुमार के वकील ने अदालत को बताया कि वह बिना बुलाए मुख्यमंत्री आवास पर आईं और जबरन घर में घुस गईं। अदालत को बताया गया कि उन्हें किसने बुलाया था। क्या उन्हें बुलाया गया था। वकील ने सवाल उठाया कि मालीवाल ने उसी दिन पुलिस में शिकायत क्यों नहीं दर्ज कराई और उनकी जांच दिल्ली के किसी सरकारी अस्पताल में क्यों नहीं कराई गई, बल्कि एम्स में कराई गई। कहानी को सही साबित करने के लिए सब कुछ पहले से ही योजनाबद्ध था। इन सबके बीच दिल्ली पुलिस ने अदालत को बताया कि मालीवाल को सीने और गर्दन पर मारा गया और घसीटा गया, इस दौरान उनका सिर टेबल से टकरा गया था। पुलिस ने बताया कि घटना स्थल का वीडियो फुटेज गायब है। यह तकनीकी समस्या के कारण हो सकता है या इसे जानबूझकर हटाया गया हो सकता है। वह एक प्रभावशाली व्यक्ति हैं। लोग उनसे तब भी संवाद कर रहे थे, जब मुख्यमंत्री के साथ उनकी सेवाएं समाप्त हो चुकी थीं। इन सबके बीच दिल्ली पुलिस ने अदालत को बताया कि मालीवाल को सीने और गर्दन पर मारा गया और घसीटा गया, इस दौरान उनका सिर टेबल से टकरा गया था। पुलिस ने बताया कि घटना स्थल का वीडियो फुटेज गायब है। यह तकनीकी समस्या के कारण हो सकता है या इसे जानबूझकर हटाया गया हो सकता है। वह एक प्रभावशाली व्यक्ति हैं। लोग उनसे तब भी संवाद कर रहे थे, जब मुख्यमंत्री के साथ उनकी सेवाएं समाप्त हो चुकी थीं।

हाईकोर्ट के निर्देश पर राजस्व और मेडिकल की टीम ने की कार्रवाई

पांच नर्सिंग कॉलेज सील

इंदौर। इंदौर के पांच नर्सिंग कॉलेज को सोमवार को सील कर दिया गया। राजस्व और मेडिकल की टीम ने इन कॉलेजों के गेट पर हाईकोर्ट के नोटिस चस्पा किए और इन्हें सील कर दिया। सोमवार दोपहर अचानक इन कॉलेजों में पहुंची टीमों ने यहां पर मौजूद कर्मचारियों से भी पूछताछ की। दरअसल हाल ही में इन कॉलेजों में अनियमितताओं के चलते हाईकोर्ट ने कार्रवाई के आदेश दिए थे। इसके बाद सोमवार शाम को एसडीएम ओमप्रकाश बडकुल, एसडीएम घनश्याम धनगर सहित प्रशासन की अलग-अलग टीमों ने इन कॉलेजों को सील करने की कार्रवाई शुरू की।

नर्सिंग कॉलेज फजीर्वाड़े की शुरुआत 2020 में हुई थी। 2019 तक प्रदेश में 450 नर्सिंग कॉलेज रजिस्टर थे। 2020 में कोरोना काल आ गया और इस दौरान 2020 से 2022 तक 200 नए नर्सिंग कॉलेज पंजीकृत हुए। लाखों की संख्या में यहां पर छात्रों ने एडमिशन ले लिए। बाद में छात्रों को परीक्षा और अन्य मामलों को लेकर संदेह होने लगा। छात्रों ने जब अपने स्तर पर जांच की तो पता चला कि कई कॉलेज फर्जी हैं और इन्हें मान्यता नहीं मिली है। इस जांच के बाद उन्होंने साक्ष्य जुटाकर अदालत में याचिकाएं दायर की। इन याचिकाओं को सुनने के बाद कोर्ट ने इस पूरे मामले की जांच सीबीआई को दे दी। सीबीआई ने पहले चरण में प्रदेश के 700 से ज्यादा नर्सिंग कॉलेजों में से करीब 308 कॉलेजों की जांच की। इसमें सीबीआई ने 169 नर्सिंग कॉलेजों को सूटेबल यानी पूर्ण, 66 कॉलेजों को अनसूटेबल यानी अपूर्ण कैटेगरी में रखा जबकि, 73 कॉलेजों को अनुपयुक्त बता दिया। इन सभी कॉलेजों में एक लाख से ज्यादा छात्रों ने एडमिशन लिया था।

इसके बाद इसमें नया मोड़ आया और पता चला कि इस घोटाले की जांच जिन सीबीआई अधिकारियों को दी गई थी वे ही रिश्वत लेकर कॉलेजों को क्लीन चिट दे रहे थे। इतने ही नहीं मध्य प्रदेश नर्सिंग काउंसिल ने भी उन कॉलेजों को बेहतर संस्थानों में शामिल कर दिया जिनके संचालक पहले से ही जांच एजेंसी की रिमांड पर हैं। इसके बाद भ्रष्ट सीबीआई अफसरों पर केस दर्ज हुए। जिन कॉलेजों के खिलाफ कार्रवाई की गई है उनके नाम जगदगुरु दत्तात्रेय कॉलेज ऑफ नर्सिंग, राय एकेडमी नर्सिंग कॉलेज, वर्मा यूनियन नर्सिंग कॉलेज, मृत्युंजय स्कूल ऑफ नर्सिंग और देवी अहिल्या नर्सिंग कॉलेज हैं। ये पांचों कॉलेज सीबीआई की जांच में अयोग्य पाए गए हैं।

एक लाख से अधिक छात्रों का भविष्य अंधेरे में: अभी तक इस मामले में सीबीआई के अधिकारियों समेत 13 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सीबीआई की टीम इन सभी से दिल्ली में पूछताछ कर रही है। इनसे पूछताछ में कई अहम खुलासे हो सकते हैं। प्रदेश सरकार नर्सिंग कॉलेजों को मान्यता देने संबंधी आयोग गठन करने पर काम कर रही है। साथ ही छात्रों के लिए राज्य स्तर पर प्रवेश परीक्षा लेने पर भी विचार किया जा रहा है। इन सबके बीच छात्रों का भविष्य भी अधर में लटका है। जिन छात्र-छात्राओं की अभी परीक्षा रूकी हुई। उस पर सरकार को जल्द निर्णय लेना है। इससे एक लाख से ज्यादा बच्चे प्रभावित है।

सीएम ने उठाया सख्त कदम : मध्य प्रदेश के बहुचर्चित नर्सिंग कॉलेज घोटाले में सीबीआई के बाद सीएम मोहन यादव ने भी सख्त कदम उठाने का निर्णय लिया है। मामले में दोषी मिले अफसरों को सेवा से बर्खास्त करने व नर्सिंग काउंसिल के तत्कालीन रजिस्ट्रार और सचिव पर के खिलाफ भी बड़े एक्शन के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने नर्सिंग कोर्सेस के लिए नई रेगुलेटरी बॉडी गठित करने की बात कही है। जो इन कोर्सेज की गुणवत्ता और मानकों की निगरानी करेगी, लेकिन मध्यप्रदेश में अब भी कई नर्सिंग कॉलेज तय मानकों के विपरीत संचालित हैं। वहां नए छात्रों के पंजीयन भी किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव की नाराजगी के बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग ने घोटाले की जांच और सुधार के लिए ऑपरेशन शुरू किया है। विभाग में व्यापक स्तर पर फेर बदल की तैयारी भी है। नया परीक्षा सिस्टम बनाया जाएगा। इंजीनियरिंग और मेडिकल की तर्ज पर नर्सिंग संस्थानों में भी प्रवेश के लिए स्टेट लेवल पर कॉमन टेस्ट आयोजित किया जाएगा।

अनफिट को मान्यता देने वालों पर होगी कार्रवाई : मेडिकल एजुकेसन विभाग ने मुख्यमंत्री इसे लेकर विस्तृत रोडमैप तैयार किया है। विभाग ऐसे अधिकारी-कर्मचारियों को चिह्नित करेगा, जिन्होंने तय मानकों को दरकिनार कर अयोग्य नर्सिंग कॉलेजों को मान्यता दिलाई थी। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जांच-पड़ताल तेज: मेडिकल एजुकेशन विभाग ने राज्यभर में नर्सिंग कॉलेजों की जांच-पड़ताल तेज कर दी है। विभाग में आवश्यक सुधारों के लिए समयबद्ध योजना बनाई है। मामले में मेडिकल युनिवर्सिटी के अफसरों की लापरवाही भी सामने आई है। मेडिकल युनिवर्सिटी ने अधिसूचना जारी पर नर्सिंग कॉलेजों की फैकल्टी की जानकारी मांगी है। एमपी में नर्सिंग कॉलेज घोटाले की तपिश कम नहीं हो रही है। नर्सिंग कॉलेजों में चल रहीं धांधलियों पर एक के बाद एक कई खुलासे हो रहे हैं। इससे सियासत भी गरमा रही है। प्रदेश में हुए इस घोटाले पर कांग्रेस हमलावर है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने तो नर्सिंग घोटाले पर बड़ा बयान दिया है। उनका कहना है कि प्रदेश में नर्सिंग स्टूडेंट के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। स्टूडेंट को फर्जी डिग्री बांटी जा रही है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार ने नर्सिंग घोटाले पर राज्य सरकार पर निशाना साधा। नेता प्रतिपक्ष ने कहा— फर्जी नर्सिंग कॉलेज, फर्जी डिग्री बांट रहे हैं लेकिन मरीज तो असली हैं। प्रदेशभर में मरीजों और आम लोगों के साथ धोखाधड़ी की जा रही है।

चार महीने में साइबर ठगों ने लगाया 1750 करोड़ का चूना

नई दिल्ली। दो वक्त की रोटी और अपने परिवार को एक अच्छी जिंदगी देने के लिए आम इंसान कभी मेहनत से पीछे नहीं हटता है और पाई- पाई जोड़कर अपने बच्चों को अच्छा भविष्य देने की कोशिश करता है, लेकिन कई बार चोरों की काली नजर उन आम इंसान के सपनों के तिजोरी पर पड़ जाती है और वो उस परिवार के चमकते भविष्य के सपने को तहस नहस कर देते हैं। इन दिनों चोरों से ज्यादा आम लोगों को साइबर ठगी का डर सताता है कि कब वो इन ठगों के शिकार बन जाएं। अभी 2024 का आधा साल भी नहीं गुजरा है महज शुरुआती चार महीने में देश में 7 लाख से अधिक लोगों के साथ साइबर ठगी के मामले सामने आए हैं। इन लोगों से चार महीने में ही हजारों करोड़ों की साइबर ठगी की गई है। एक रिपोर्ट में इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर के हवाले से बताया गया है कि सिर्फ इस साल के पहले चार महीनों में ही भारतीयों को साइबर फ्रॉड के चलते हजारों करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है। साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर के अनुसार साल 2024 के पहले चार महीनों में भारतीयों ने 1,750 करोड़ का नुकसान हुआ है। जिसके लिए 7 लाख 40 हजार से ज्यादा लोगों ने फ्रॉड की शिकायत दर्ज की हैं। रिपोर्ट के अनुसार जनवरी से अप्रैल तक में हर रोज 7 हजार शिकायतें दर्ज करवाई गई हैं। जिसमें से 85 फीसदी शिकायतें ऑनलाइन फ्रॉड की हैं। बता दें कि ये मामले बीते सालों की तुलना में काफी ज्यादा हैं।

देश में बढ़ रहे साइबर ठगी के मामलों ने साल दर साल तेजी आ रही है। बीते पांच सालों में साइबर ठगी के मामलों का ग्राफ तेजी से ऊपर की तरफ रहा है। आंकड़ों पर नजर डालें तो साल 2019 में साइबर क्राइम के सिर्फ 26 हजार 49 मामले आए थे। जिसके बाद 2020 में आंकड़ा लाखों में पहुंच गया। साल 2020 में ये मामले बढ़कर 2 लाख 57 हजार 777 पर पहुंच गया थे। उसके बाद 2021 में 4 लाख 52 हजार 414 पर और 2022 में 9 लाख 66 हजार 790 पर पहुंच गए थे। पिछले साल देश में साइबर ठगी के मामले 15 लाख 56 हजार 218 पहुंच गए।

साइबर ठगी के मामलों में आई तेजी के दो ही कारण हैं कि साइबर ठग हर रोज एक नए तरीके से ठगी की वारदात को अंजाम दे रहे हैं वहीं दूसरा कि अभी भी देश में काफी लोग हैं जो साइबर ठगी से बचने के तौर तरीकों को लेकर लापरवाही दिखाते हैं और लालच में आकर इन ठगों का शिकार आ जाते हैं।

इस बार सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना

नई दिल्ली। इस वक्त उत्तर और मध्य भारत भीषण गर्मी की चपेट में है। आलम यह है कि हीट-वेव के चलते मौत की खबरें भी सामने आने लगी हैं। इसी बीच भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) की तरफ से लोगों को एक गुड न्यूज दी गई है। बताया गया कि इस साल औसत से अधिक मानसून देश में रहने की संभावना है। आईएमडी ने कहा, अगर आंकड़ों के नजरिए से समझें तो पूरे देश में दक्षिण-पश्चिम मानसून के चलते होने वाली मौसमी बारिश लंबी अवधि के एवरेज का 106ब होने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया, इस साल जून से सितंबर तक चलने वाले देश के मानसून सीजन में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने कहा कि भारत के मध्य और दक्षिणी हिस्से में मानसून सामान्य से ऊपर रहेगा। भारत के नॉर्थ-ईस्ट वाले हिस्से में बारिश सामान्य से कम होगी। साथ ही नॉर्थ-वेस्ट इंडिया में भी सामान्य से कम बारिश होने का अनुमान है। बताया गया कि अगले 5 दिनों में केरल में मानसून की शुरुआत हो सकती है। इसे लेकर परिस्थितियां एक दम अनुकूल हैं। पिछले साल मानसून के सीजन में भारत में कुल 94 प्रतिशत बारिश हुई थी। भारत में कुल बारिश का 70 प्रतिशत से अधिक हिस्सा दक्षिण पश्चिम मानसून अवधि के दौरान प्राप्त हुआ। भारत में दक्षिण-पश्चिम मानसून की रफ्तार केरल में मानसून की शुरुआत से साफ हो जाती है।

सिंगल कॉलम

कलेक्टर ने दिए प्राइवेट नर्सिंग होम में सुरक्षा की पुख्ता निगरानी के निर्देश

इंदौर। इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह ने सीएमएचओ और डीन एमजीएम मेडिकल कॉलेज को प्राइवेट नर्सिंग होम में सुरक्षा की पुख्ता निगरानी के निर्देश दिए हैं। दरअसल गर्मी में तापमान के बढ़ने पर अस्पताल में आग लगने की आशंका ज्यादा होती है। निर्देश के मुताबिक नर्सिंग होम के पास नगरीय विकास और आवास विभाग द्वारा जारी फायर सेफ्टी प्रमाण पत्र और बिजली सुरक्षा प्रमाण पत्र उपलब्ध होना अनिवार्य है। सभी नर्सिंग होम और मेडिकल कॉलेज को ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। रजिस्टर्ड नर्सिंग होम द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों का परीक्षण किया जाएगा। इसके साथ ही निरीक्षण भी किया जाएगा। नर्सिंग होम के रजिस्ट्रेशन की अवधि के पहले यदि फायर सेफ्टी प्रमाण-पत्र की वैधता समाप्त होती हो तो समय रहते अस्पताल संचालक को प्रमाण-पत्र के रिन्यू के लिए निर्देश देने होंगे। इसके साथ ही नर्सिंग होम में सुरक्षा उपकरणों के उपयोग और ट्रेनिंग के साथ मॉक ड्रिल करने को कहा गया है। ऐसे ही आपात स्थिति में मरीजों को बाहर निकालने के लिए गेट को लेकर भी दिशा-निर्देश दिए हैं। यह सारी प्रक्रिया एक हफ्ते में करनी होगी।

कोलकाता में रेमल तूफान के चलते इंदौर से चलने वाली फ्लाइट रही कैंसिल

इंदौर। इंदौर एयरपोर्ट पर कोलकाता से आने और इंदौर से कोलकाता जाने वाली फ्लाइट को कैंसल कर दिया गया है। इसकी वजह रेमल तूफान बताई जा रही है। दरअसल, तूफान रेमल के पश्चिम बंगाल में तट से टकराने की आशंका के चलते कोलकाता एयरपोर्ट को बंद किया गया है। इस कारण इंदौर आने-जाने वाली कोलकाता उड़ान को भी निरस्त कर दिया गया। कंपनी ने पहले ही इसकी सूचना यात्रियों को दे दी थी, जिससे यात्रियों को परेशानी नहीं हुई। कंपनी ने यात्रियों को रिफंड और री-बुकिंग के विकल्प दिए हैं। इंदौर से कोलकाता की लिए रोजाना एक डायरेक्ट फ्लाइट है। कोलकाता से रोजाना सुबह 6.30 बजे इंडिगो की फ्लाइट इंदौर के लिए उड़ान भरती है जो सुबह 8.35 बजे इंदौर पहुंचती है। वापसी में इंदौर से कोलकाता के लिए 9.20 बजे उड़ान भरती है जो सुबह 11.30 बजे कोलकाता पहुंचती है। बताया जा रहा है कि कोलकाता एयरपोर्ट पर आज दोपहर से ही एयर ट्रैफिक शुरू हो जाएगा। इसलिए मंगलवार 28 मई से यह फ्लाइट अपने तय समय पर आना-जाना करेगी। इसलिए अधिकांश यात्रियों ने टिकट को रीशेड्यूल करा लिया है। वहीं कई यात्री मुंबई होते हुए कोलाकाता जा रहे हैं।

इंदौर लाया गया दुर्लभ ब्लड ग्रुप ओ बॉम्बे पॉजिटिव

इंदौर। देश के चर्चित निःशुल्क ब्लड कॉल सेंटर रेडक्रॉस ने सोमवार को दुनिया का सबसे दुर्लभ ब्लड ग्रुप ओ बॉम्बे पॉजिटिव शहर के रॉबर्ट नर्सिंग होम में एडमिट महिला पेशेंट पवन बाई के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराया। किडनी की समस्या से ग्रस्त यह महिला रतलाम जिले के बड़नगर क्षेत्र की रहने वाली हैं। निःशुल्क ब्लड कॉल सेंटर के प्रमुख अशोक नायक ने बताया कि सेंटर ने अपने प्रयासों से दो यूनिट ब्लड ग्रुप ओ बॉम्बे पॉजिटिव वर्धा से नागपुर और नागपुर से फ्लाइट द्वारा बुलवाकर इंदौर के महाराजा यशवंत राव हॉस्पिटल भेजा ' इसके बाद यह ब्लड रॉबर्ट नर्सिंग होम भेजा गया। शनिवार को भी शिर्डी से अपनी कार से आकर रक्तदाता रवींद्र ने पवन बाई के लिए ब्लड डोनेट किया। इस तरह ब्लड कॉल सेंटर ने निःशुल्क रूप से तीन यूनिट ब्लड ओ बॉम्बे पॉजिटिव ग्रुप का उपलब्ध कराया है। पवनबाई का इलाज डॉ. योगेंद्र मालवीय कर रहे हैं। सोलह साल से मुफ्त सेवा दे रहा है ब्लड कॉल सेंटर उल्लेखनीय है कि ब्लड कॉल सेंटर रेडक्रॉस के अशोक नायक पहले भी इस दुर्लभ ब्लड ग्रुप का इंतजाम करवा चुके हैं ' ब्लड कॉल सेंटर रेडक्रॉस 16 वर्षों से कार्यरत हैं और हजारों जरूरतमंद रोगियों के लिए ब्लड डोनेशन करवा चुका है ' नायक ने कहा कि जब भी इस दुर्लभ ब्लड ग्रुप की आवश्यकता पड़ती है तो सबसे पहले ब्लड कॉल सेंटर रेडक्रॉस से ही मदद मांगी जाती है। ब्लड कॉल सेंटर रेडक्रॉस से जुड़े मुंबई के विनय शेट्टी पूरा सपोर्ट देकर यह दुर्लभ ब्लड उपलब्ध कराते हैं।

राजवाड़ा पर ऑटो और ई-रिक्शा बैन से तेज धूप में परेशान हुए बच्चे-महिलाएं

कारों और बसों को मिला रास्ता, कारें नो पार्किंग जोन में भी खड़ी दिखाई दी

सिटी चीफ इंदौर।
शहर के सबसे प्रमुख व्यापारिक क्षेत्र राजवाड़ा पर सोमवार से सात दिन के लिए ऑटो और ई-रिक्शा के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। इसे अभी ट्रायल के रूप में लागू किया है यदि ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार दिखाई दिया तो इसे स्थायी व्यवस्था बना दिया जाएगा। सोमवार को ऑटो और ई-रिक्शा पर बैन के बाद बच्चे और महिलाएं तेज धूप में परेशान होते रहे। दूसरी तरफ कारों और बसों को साफ रास्ता मिला। ई रिक्शा और ऑटो पर प्रतिबंध लगाने से बच्चे और माताएं तेज धूप में परेशान होतीं रहीं। दोपहर में राजवाड़ा क्षेत्र में खरीदारी करने आए परिवारों को कृष्णपुरा छत्री से राजवाड़ा के अंदर तक पैदल जाना पड़ा। एक महिला ने कहा कि ई- रिक्शा बंद होने के बाद हमारी परेशानी बढ़ गई है। रिक्शा वालों ने रेट भी बढ़ा दिए। भीषण गर्मी में पैदल जाना मुश्किल है। प्रशासन को इसका भी समाधान निकालना चाहिए।

वहीं कारें नो पार्किंग जोन में भी खड़ी दिखाई दी। राजवाड़ा महल के मुख्य द्वार के सामने भी कारें खड़ी मिली। यहां पर पहले रिक्शा वालों की लाइन लगी रहती थी, राजवाड़ा में आने वाले

खरीदारों को ले जाने के लिए।

ऑटो और ई-रिक्शा वालों को दी ट्रैफिक संभालने की सजा

सोमवार को पुलिसकर्मियों ने फ्रूट मार्केट और गुरु नानक चौक से राजवाड़ा की तरफ ई रिक्शा वालों को नहीं आने दिया। इसके बाद भी कुछ ई रिक्शा चालक गलियों के अंदर से राजवाड़ा चौक में प्रवेश कर गए तो पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोककर पकड़ा और काफी देर तक कार्रवाई के रूप में ट्रैफिक संभलवाया। राजवाड़ा क्षेत्र में रिक्शा नहीं आने से सड़कों पर सूनापन नजर आया। भीड़ भी कम दिखी।

ट्रैफिक जाम की समस्या बताई गई थी

ट्रैफिक एडिशनल डीसीपी अरविंद तिवारी और एसीपी ट्रैफिक किरण कुमार शर्मा ने रविवार को क्षेत्र का मुआयना किया था। उस समय स्थानीय कारोबारियों ने क्षेत्र में जाम की समस्या बताई। इसके बाद ही यह निर्णय लिया गया। पुलिस ने ट्रैफिक डायवर्शन कर राजवाड़ा तरफ आने वाले आठ प्रमुख रूटों पर बैरिकेडिंग कर रखी है। यानी टऋ रोड से राजवाड़ा आने वाले ई-रिक्शा और ऑटो कृष्णपुरा ब्रिज तक ही आ सकेंगे।

शख्स को आया अटैक तो ई-रिक्शा को दी एंट्री

राजवाड़ा में ई-रिक्शा बैन के ट्रायल के दौरान पुलिस ने मिसाल कायम की। एक व्यक्ति को आड़ा बाजार में हार्ट अटैक आ गया। उसे ई-रिक्शा से राजबाड़ा तरफ ही एक निजी अस्पताल ले जाया जाने लगा। जब ड्यूटी कर रहे कांस्टेबल महेंद्र मिश्रा ने इसकी जानकारी दी गई तो उन्होंने ई-रिक्शा के लिए रास्ता खुलवाया। बाकायदा पुलिस वायरलैस पर मैसेज किया कि इस ई-रिक्शा को तत्काल अस्पताल पहुंचाने में मदद करिए। इसके बाद एएसआई रविन्द्र सिंह तुरंत मरीज के साथ ऑटो में बैठे और अर्पण नर्सिंग तक लेकर गए हैं।

एमजी रोड से आ सकेंगे, लेकिन राजवाड़ा क्षेत्र में नो-एंट्री

ई-रिक्शा चालकों के लिए एमजी रोड पर बड़ा गणपति से टोरी कॉर्नर, मल्हारगंज थाना, निहालपुरा, खजूरी बाजार होकर कृष्णपुरा ब्रिज से रीगल तिराहा तक के मार्ग पर आने के लिए प्रतिबंध नहीं है। ऑटो व ई-रिक्शा एमजी रोड से आकर राजवाड़ा पर सिर्फ सवारी उतार सकेंगे।

ड्रेनेज घोटाले को लेकर अब कांग्रेस ने खोला मोर्चा, कमिश्नर का केबिन घेरा

सिटी चीफ इंदौर।
नगर निगम में हुए 100 करोड़ के ड्रेनेज घोटाले को लेकर अब कांग्रेस जागी है। कांग्रेस कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए नगर निगम मुख्यालय पर प्रदर्शन करने पहुंचे। ज्ञापन लेने जब निगमायुक्त नहीं आए तो कांग्रेस पार्षद निगमायुक्त के केबिन के बाहर जमीन पर बैठकर नारेबाजी करते रहे। प्रदर्शन को देखते हुए परिसर में भारी पुलिस बल भी तैनात किया गया था।

नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे ने कहा कि घोटाले के असली जिम्मेदार अभी भी बचे हुए है। यह संभव नहीं है कि इतनी बड़ी राशि के फर्जी बिल लगाकर पैसा निकाल लिया जाए और जिम्मेदारों को पता न चले। जांच के नाम पर भी लीपा पोती की जा रही है।

भ्रष्टाचारियों की संपत्तियां जब्त कर उनसे पैसा वसूला जाना चाहिए। चौकसे ने कहा कि अब रोजाना शाम को घोटाले से जुड़े नए राज कांग्रेस पार्षद दल खोलेगा।

सोमवार को उन्होंने कुंदन नगर का मामला उठाया। जिसमें सड़क बनाए बगैर दो फाइलें मंजूर कर दी गई। जून में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की मौजूदगी में कांग्रेस बड़ा प्रदर्शन करेगी। सोमवार को हुए प्रदर्शन में पूर्व विधायक अश्विन जोशी, राजेश चौकसे, पार्षद राजू भदौरिया, दीपू यादव, अनवर कादरी, सोनाली मिमरोट, प्रवक्ता अमित चौरसिया सहित अन्य नेता मौजूद थे।

जनधन का हिसाब दो कैंपेन आज से

कई कांग्रेसी हाथों में चूड़ियां और चप्पल लेकर प्रदर्शन करने पहुंचे। सैकड़ों की संख्या में पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ता ने निगमायुक्त के कैबिन का घेराव कर दिया और वहीं धरने पर बैठे गए। करीब आधे घंटे तक नारेबाजी की। निगम नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे ने कहा कि हमारी मांग है कि निगम में हुए करोड़ों के घोटालों में शामिल सब इंजीनियर और जोनल अधिकारी को

तुरंत बर्खास्त किया जाए। जिससे यह संदेश जाए की हम भ्रष्टाचारियों को माफ नहीं करेंगे। अगर हमारी मांगे नहीं मानी जाती तो बड़ा जंगी प्रदर्शन किया जाएगा। चौकसे ने कहा कि जनधन का हिसाब दो, घोटालों का जवाब दो नामक कैम्पेन भी मंगलवार से शुरू होगा। जिसमें रोजाना आम लोगों को साथ लेकर हस्ताक्षर अभियान, वाहनों पर स्टिकर लगाने के साथ अधिकारियों को सद्बुद्धि देने के लिए भजन-कीर्तन भी किए जाएंगे।

रोज शाम को खोलेंगे नए राज

चौकसे ने कहा कि रोजाना शाम 5 बजे निगम स्थित अपने कार्यालय में घोटालों से संबंधित नए-नए राज खोलेंगे। उन्होंने कहा कि कुंदन नगर में सड़क बनाए बिना दो फाइलें पास करवा ली गई। ऐसे और भी कई मामले हैं, जिनमें करोड़ों का भ्रष्टाचार हुआ है। इन सबकी जानकारी हमारे माध्यम से दी जाएगी। नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे ने प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में जून महीने में बड़ा प्रदर्शन करने की बात कही है।

इंदौर में सब मिलकर भ्रष्टाचार कर रहे

पूरे मामले को लेकर पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी कहते हैं ना खाउंगा और ना खाने दूंगा। लेकिन इंदौर में सब मिलकर भ्रष्टाचार कर रहे हैं। एक ओर 100 करोड़ के शराब घोटाले की बात कहते हुए ईडी दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर कार्रवाई कर रही और जेल में डाल रही है, उधर इससे दस गुना बड़े नगर निगम इंदौर के घोटाले में कुछ नहीं कर रही है। मैं तो कहता हूं इस मामले में सभी पूर्व महापौर और कमिशनरों को जेल में डाल देना चाहिए।

बड़ी संख्या में कार्यकर्ता रहे मौजूद

प्रदर्शन में पार्षद दल के साथ वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेश चौकसे, अश्विन जोशी, विनय बाकलीवाल, पार्षद राजू भदौरिया, दीपक पिंटू जोशी, अमन बजाज, पार्षद दीपू यादव, अनवर कादारी, अंसाफ अंसारी, रफीक खान, सादिक खान, अनवर दस्तक, महिला कांग्रेस अध्यक्ष सोनीला मीमरोट, रिटा डांगरे, पार्षद शेफु वर्मा, प्रवक्ता अमित चौरसिया, राजेश यादव, पुखराज राठौर, फूलसिंह कुंवाल, मनोहर रघुवंशी, शैलेश कैमरे, यतीन्द्र वर्मा सहित बढ़ी संख्या मे कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित मौजूद रहे।

जीतू पटवारी ने दायर की याचिका इमरती देवी को नोटिस

सिटी चीफ इंदौर।
कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की याचिका पर जबलपुर हाईकोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार और इमरती देवी को नोटिस जारी किया है। मामला उन पर एससी-एसटी एक्ट के तहत दर्ज एफआईआर को दर्ज करवाने से संबंधित है। पीसीसी जीतू पटवारी के विरुद्ध भारतीय जनता पार्टी की नेता एवं पूर्व मंत्री इमरती देवी सुमन द्वारा प्रथम सूचना रिपोर्ट पुलिस थाना डबरा ग्वालियर में भारतीय दंड संहिता की धारा 509 तथा अनुसूचित जाति/जनजाति(अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा 3(1)(आर) के अंतर्गत दर्ज करवाई गई थी। उक्त प्रथम सूचना रिपोर्ट से व्यथित होकर पूर्व मंत्री जीतू पटवारी द्वारा माननीय न्यायालय के समक्ष दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 482 के तहत याचिका प्रस्तुत की गई तथा न्यायालय से निवेदन किया गया कि इमरती देवी की प्रथम सूचना रिपोर्ट को रद्द करें।

हाईकोर्ट ने भेजा नोटिस

याचिका की सुनवाई सोमवार को हुई जिसमें न्यायालय द्वारा याचिकाकर्ता के अधिवक्ताओ के तर्कों से संतुष्ट होकर मध्य प्रदेश शासन और इमरती देवी को नोटिस जारी किए गए हैं। याचिकाकर्ता की ओर से पैरवी अधिवक्ता विभोर खंडेलवाल एवं जयेश गुरनानी द्वारा की गई।

पटवारी के बयान पर बीजेपी ने किया था प्रदर्शन

पटवारी के बयान पर भाजपा नेताओं ने बैतूल, इंदौर, गुना, भोपाल समेत प्रदेशभर में पटवारी के खिलाफ प्रदर्शन किया था। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया समेत कई नेताओं ने इसकी निंदा की थी। इंदौर के हाई कोर्ट एडवोकेट विभोर खंडेलवाल की ओर से बताया गया कि पूर्व मंत्री इमरती देवी ने एफआईआर में यह कहा है कि जीतू पटवारी के बयान से उनकी लज्जा भंग हुई है। वे एससी/एसटी एक्ट की बात कर रही हैं। एफआईआर में भी यह एक्ट लगा है। यह पूरी तरह गलत है, क्योंकि बयान में जातिसूचक शब्द का इस्तेमाल नहीं हुआ है। इस उद्देश्य से भी बयान नहीं दिया गया कि किसी एससी और एसटी की महिला की लज्जा भंग हो। एफआईआर सिर्फ पॉलिटिकल माइलेज गेन के लिए कराई गई है।

तीसरे चरण की वोटिंग के चार दिन पहले दिया था बयान

3 मई को पीसीसी चीफ जीतू पटवारी का 16 सेकंड का वीडियो सामने आया था। इसमें वे पूर्व मंत्री इमरती देवी को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में हंसते हुए कह रहे थे, देखो ऐसा है, अब इमरती जी का रस खत्म हो गया है। जो अंदर चाशनी होती है ...उनके लिए अब मैं कुछ बात नहीं कर रहा। पटवारी लोकसभा चुनाव की तैयारियों के लिए ग्वालियर में कांग्रेस जिला अध्यक्ष देवेंद्र शर्मा से मिलने उनके घर पहुंचे थे। इसके बाद मीडिया से बात की थी। हालांकि मामले के तूल पकड़ने के बाद जीतू ने माफी भी मांगी थी। उन्होंने हैंडल पर इमरती को बड़ी बहन जैसा बताया।

पूर्व मंत्री बोली थीं- बयान से आहत हूं

डबरा थाना में मामला दर्ज कराने के बाद पूर्व मंत्री इमरती देवी सुमन 7 मई को मतदान होने बाद डबरा थाना पहुंची थीं। उन्होंने कहा- कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी की महिलाओं के प्रति सोच और मेरे के लिए ऐसे शब्द बोलने से मैं आहत हूं।

चोरी हो रही इंस्टाग्राम प्रोफाइल, फंस गई इंदौर की सेलिब्रिटी बार्बी शर्मा

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। साइबर ठगों ने सोशल मीडिया पर फ्रॉड का नया तरीका ईजाद कर लिया है। वे सोशल मीडिया पर लोकप्रिय सेलिब्रिटी को अपना शिकार बनाकर उनकी प्रोफाइल हैक कर रहे हैं। प्रोफाइल हैक होने के बाद वे इसे वापस देने के नाम पर लाखों रुपये की वसूली कर लेते हैं। इंदौर में इस तरह के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। ताजा मामले में इंदौर की एक चाइल्ट आर्टिस्ट को फेसबुक की पैरेंट कंपनी मेटा के नाम पर निशाना बनाया गया है।

इंदौर की चाइल्ड आर्टिस्ट बार्बी शर्मा के इंस्टाग्राम पर करीब 6.5 लाख फालोअर्स हैं। इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर ब्लू टिक प्राप्त करने के लिए उन्होंने प्रयास किया। इस दौरान एक हैकर ने उन्हें मेल किया और बेहद कम शर्तों के साथ ब्लू टिक दिलाने का वादा किया। इसके बाद उसने बार्बी की प्रोफाइल का पासवर्ड और ऑथेंटिकेशन कोड ईमेल के माध्यम से ले लिया। इसके बाद उसने प्रोफाइल का पासवर्ड बदलकर प्रोफाइल का यूजर नेम

भी बदल दिया।

साइबर ब्रांच पहुंची बार्बी

यह जानकारी मिलते ही बार्बी इंदौर साइबर ब्रांच पहुंची। पुलिस टीम ने हैकर के फर्जी ईमेल से पता किया की वह टर्की देश के सॉफ्टवेयर का उपयोग कर रहा है। इसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने फेसबुक की पैरेंट कंपनी मेटा को जानकारी दी और प्रोफाइल की डीटेल मांगी। इसके बाद बार्बी की प्रोफाइल को रिकवर कराया गया।

सलमान और अमिताभ के साथ चुकी हैं काम

बार्बी सोशल मीडिया पर बहुत लोकप्रिय हैं और सलमान खान और अमिताभ बच्चन जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ काम कर चुकी हैं। उनके इंस्टाग्राम पर ही छह लाख से अधिक फालोअर्स हैं।

बढ़ रहे इस तरह के मामले

एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि हैकर्स के द्वारा लोकप्रिय लोगों की प्रोफाइल हैक करने के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। इसमें हैकर्स प्रोफाइल को हैक करके अन्य कंपनियों को बेच देते हैं। वह कंपनियां इन प्रोफाइल के माध्यम से नकली कंपनियों के ब्रांड्स का प्रचार करती हैं और जनता को लूटती हैं।

कहां करें शिकायत

दंडोतिया ने कहा कि साइबर फ्राड की स्थिति में तुरंत 1920 पर फोन करें और अपनी शिकायत दर्ज करवाएं। इसके साथ स्थानीय साइबर थाने में जाकर भी अपनी शिकायत दें। समय पर शिकायत करने पर जल्द ही समस्या का समाधान हो जाता है।

एसओएस बालग्राम में दो बच्चों की मौत, पुलिस तक पहुंचा मामला

सिटी चीफ भोपाल

भोपाल। बिलखिरिया थाना क्षेत्र के खजूरी कलां में स्थिति एसओएस बालग्राम में दो बच्चों की सोमवार सुबह मौत हो गई। बताया जा रहा है कि दोनों बच्चे कई तरह की विकलांगता का शिकार थे और बेहद कमजोर होने के साथ-साथ लंबे समय से बीमार चल रहे थे। सोमवार सुबह उनकी तबीयत बिगड़ी तो उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने चेक करने के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पुलिस के मुताबिक एसओएस बालग्राम में सात वर्षीय बच्चा और 14 वर्षीय बच्ची लंबे समय से रह रहे थे। वह बहु विकलांग थे और बिस्तर पर रहते थे। उनकी देखभाल एसओएस बालग्राम में ही होती थी, सोमवार सुबह 14 वर्षीय बच्ची की तबीयत बिगड़ी तो एंबुलेंस को बुलाया गया। उसी समय सात वर्षीय बच्चे की भी तबीयत बिगड़ गई। दोनों को पहले इंद्रपुरी के पास निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें हमीदिया अस्पताल रेफर कर दिया गया। जहां डाक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम के बाद दोनों के शव संस्थान के सुपुर्द कर दिए गए। पुलिस ने दोनों की मौत पर मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। एसपी देहात प्रमोद सिन्हा ने बताया कि दोनों बच्चे लंबे समय से बीमार थे। एसओएस बालग्राम में उनकी देखभाल होती थी। उनकी मौत पर मर्ग कायम कर मामले को जांच में ले लिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही दोनों की मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

कार खरीदने के लिए लोन दिलाने के नाम पर सेना के जवान से धोखाधड़ी

सिटी चीफ भोपाल

कोहेफिजा पुलिस ने एक सेना के जवान की शिकायत पर जालसाजी का केस दर्ज किया है। एक फाइनेंस कंपनी के एजेंट ने जवान से कार फाइनेंस कराने के नाम पर दस्तावेज लिए थे। इसके बाद लोन तो मिला नहीं, इसके पहले ही फरियादी के बैंक अकाउंट से लोन की किस्तें कटने लगी। पड़ताल करने पर पता चला कि उनके नाम पर कार फाइनेंस है। हालांकि कार की डिलीवरी उन्हें कभी मिली ही नहीं थी। इसके बाद मामले की शिकायत थाने में की गई। जांच के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

कोहेफिजा पुलिस के मुताबिक सेना के जवान सुनील कुमार नर्मदापुरम रोड में कालोनी में रहते हैं। दो साल पहले वह कार खरीदने की सोच रहे थे, इसके लिए उन्होंने अमर सिंह नाम के युवक से मुलाकात हुई। वह कोहेफिजा में एक फाइनेंस कंपनी के लिए एजेंट के रूप में काम करता था। दोनों के बीच जब बातचीत हुई तो एजेंट ने उसे लोन दिलाने की बात कही। बाद में जवान ने उसे अपने दस्तावेज अमर सिंह को दे दिए। सेना के जवान ने 4 लाख 21 हजार रुपये के कार लोन के लिए आवेदन किया था। इसी दौरान सुनील कुमार की पोस्टिंग अयोध्या में हो गई तो उनका लोन का मामला अटक गया। इसके बाद उनके बैंक खाते से 15240-15240 रुपये की दो किस्तें खाते से कट गईं। उन्होंने पुलिस को मामले की शिकायत कर दी। पुलिस ने जब जांच की तो पता चला कि अमर सिंह ने दोनों ही किस्तें अपने खाते में जमा करवा लीं है। जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने अमर के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर लिया है।

पुलिस मुख्यालय में महिला सफाईकर्मी से छेड़छाड़, आरोपित उपनिरीक्षक बर्खास्त

सिटी चीफ भोपाल

सीधी में सात आदिवासी लड़कियों से दुष्कर्म की घटना का मामला अभी सरगर्म ही है कि राजधानी स्थित पुलिस मुख्यालय में महिला से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। यहां एक सफाईकर्मी ने गुप्तचर शाखा (इंटेलिजेंस विंग) में पदस्थ कार्यवाहक उप निरीक्षक पीयूष मणि तिवारी पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया। सफाईकर्मी के सुपरवाइजर की शिकायत के बाद आरोपित उप निरीक्षक को पहले निलंबित, फिर सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। संविधान के अनुच्छेद 311 के अंतर्गत यह कार्रवाई की गई है। मामले की जांच डीएसपी स्तर के एक अधिकारी को सौंपी गई है। हालांकि, इस मामले में महिला ने अभी प्राथमिकी दर्ज नहीं कराई है।

के कंधे पर हाथ रखा और छेड़छाड़ की कोशिश की। महिला के चिल्लाने पर आसपास के कर्मचारी भी पहुंच गए। हालांकि, रविवार होने के चलते परिसर में ज्यादा भीड़ नहीं थी। प्रारंभिक जांच में घटना सही पाए जाने के बाद आबिद खान ने आरोपित उपनिरीक्षक को सेवा से पृथक कर दिया है। गुप्तचर शाखा के आइजी अंशुमान सिंह ने इसकी पुष्टि की है।

पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों ने बताया कि आरोपित लगभग 50 वर्ष का है। वह हाल ही में कार्यवाहक उपनिरीक्षक बना है। कई वर्ष से पुलिस मुख्यालय की विशेष शाखा में पदस्थ रहा है।

धर्म प्रदर्शन के लिए नहीं, आत्म दर्शन के लिए है : मुनि विनम्र सागर

सिटी चीफ भोपाल

शहर के आयोध्या नगर में स्थित अहिंसा विहार जैन मंदिर में महामंडल विधान में भक्ति की बयार बह रही है। सोमवार को आचार्य विद्यासागर, समय सागर महाराज के शिष्य मुनि विनम्र, निश्वार्थ, निसर्ग, छुल्लक हीरक सागर के सानिध्य में भगवान जिनेंद्र का अभिषेक और मंत्रों के उच्चार के साथ शांतिधारा की गई। समोशरण की आठ भूमियों पर 24 तीर्थंकरों को 192 अर्घ्य अर्पित किए गए। इस दौरान धूमधाम से घट यात्रा निकाली गई। धर्म ध्वजा फहराकर श्रद्धाजुओं ने जयघोष किया।

इस अवसर पर अपने आशीष वचन में मुनि विनम्र सागर महाराज ने कहा कि धर्म प्रदर्शन के लिए नहीं, आत्म दर्शन के लिए है। जीवन में संयम अंगीकार कर ही जीवन को मोक्ष महल की ओर बढ़ाया जा सकता है।

मालूम हो कि कल्पद्रुम महामंडल विधान का समापन दो जून को शोभायात्रा के साथ होगा। यहां अनुष्ठान के लिए के विशाल समवशरण के साथ 25 किया गया है। सोमवार को इंद्र-इंद्राणियों द्वारा प्रभु का अभिषेक कर मंत्र उच्चार के साथ शांतिधारा की गई। अष्ट द्रव्य अर्पित किए गए। प्रभु के अनंत गुणों की अराधना की गई। श्री दिगंबर समाज के प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया विधानाचार्य के निर्देशन में धार्मिक अनुष्ठान हो रहे हैं।

मप्र व्यापम घोटाले में 11 आरोपितों को सात-सात वर्ष का कारावास

सिटी चीफ भोपाल

जिला कोर्ट के विशेष न्यायाधीश (व्यापम प्रकरण) नीतिराज सिंह सिसोदिया ने सोमवार को व्यापम घोटाले के एक मामले की सुनवाई करते हुए 11 आरोपितों को सात-सात वर्ष के कठोर कारावास और 10-10 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई। इसके अलावा 14 आरोपितों को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया गया। सीबीआई के लोक अभियोजक सुशील कुमार पांडेय ने बताया कि व्यापम द्वारा 30 सितंबर 2012 को मध्य प्रदेश पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसमें छह अभ्यर्थियों लोकेन्द्र कुमार धाकड़, अविनाश जयंत, राजेश प्रजापति, भूरा रावत, राधेश्याम यादव तथा विकास रावत ने अपने स्थान पर किसी अन्य व्यक्ति (प्रतिरूपक) को परीक्षा में बैठाकर लिखित परीक्षा पास की थी। अभ्यर्थी लोकेन्द्र कुमार धाकड़ के स्थान पर प्रतिरूपक हेमंत सिंह जाट ने, अविनाश जयंत के स्थान पर कुमार झा, राजेश प्रजापति के स्थान पर अभ्यर्थी के भाई नरेश प्रजापति, भूरा रावत के स्थान पर रामवीर सिंह रावत, राधेश्याम यादव के स्थान पर अज्ञात प्रतिरूपक ने तथा विकाश रावत के स्थान पर प्रतिरूपक हरिओम तोमर ने परीक्षा दी थी। परिणाम स्वरूप उक्त छह अभ्यर्थी पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा में पास हो गए थे। सोमवार को न्यायालय ने कई गवाहों, दस्तावेजों और आर्टिकल्स के आधार पर छह अभ्यथियों तथा पांच प्रतिरूपकों को भारतीय दंड संहिता की धारा 419, 420, 467, 468, 471 सहपठित धारा 120-बी एवं मध्यप्रदेश मान्यता प्राप्त परीक्षा अधिनियम 1937 की धारा 3-घ (1) (2) सहपठित धारा चार के अधीन दंडित किया।

युवक ने पत्थर मारकर आरक्षक का सिर फोड़ा 1 महीने में तीसरी बार पुलिस पर हमला

सिटी चीफ भोपाल

छोला मंदिर के भानपुर इलाके में सोमवार पौने बारह बजे एक युवक ने पुलिस आरक्षक का पत्थर मारकर सिर फोड़ दिया, आरक्षक की शिकायत की पर पुलिस ने एफआइआर दर्ज कर ली है। घायल आरक्षक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसके सिर में दो टांके आए हैं। डॉक्टरों से उसे आराम कराने की बात कही है। पुलिस के मुताबिक ट्रैफिक पुलिस का हरवीर सिंह की भानपुर के पास ड्यूटी थी, उसी समय आरोपित शिव नगर करोंद निवासी 40 वर्षीय तरूण जाटव एक महिला को परेशान कर रहा था,जब महिला ने आरक्षक हरवीर सिंह से शिकायत की तारे उसने आरोपित तरूण जाटव को पकड़ा तो उसने पत्थर उठाकर हरवीर के सिर में दे मारा, इससे हरवीर सड़क पर गिर गया। घटना के बाद आरोपित मौके से भाग गया और पुलिस हरवीर सिंह को लहूलुहान हालत में अस्पताल ले गई, जहां उसका उपचार किया जा रहा है। आरक्षक की शिकायत पर आरोपित तरूण जाटव पर एफआइआर दर्ज कर ली गई है। मई के माह में पुलिस पर तीसरी बार बदमाशों ने हमला किया है, पहली घटना हबीबगंज थाना क्षेत्र में प्रधान आरक्षक को पीटने की हुई थी और दूसरी घटना कोहेफिजा में पुलिस आरक्षक को बदमाश ने पीटा था।

बीयू की परीक्षाओं में सामने आ रहे नकल के हाईटेक मामले, 26 विद्यार्थियों की पूरी परीक्षा निरस्त

सिटी चीफ भोपाल

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) में यूजी व पीजी के प्रथम व द्वितीय वर्ष की परीक्षाओं में नकल के कई हाईटेक मामले सामने आ रहे हैं। इसमें सबसे ज्यादा मोबाइल से नकल की गई है। इसके अलावा स्मार्ट वाच, ब्लूटूथ, मोजे में पर्चियां, रूमाल और उत्तरपुस्तिकाओं के पेज में लिखकर भी नकल करना पाया गया है। वहीं, कुछ प्रकरणों में पर्चियों से नकल करते हुए विद्यार्थी पकड़े गए। बीयू ने नकल पर अंकुश लगाने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा तीन उड़नदस्ते तैयार किए हैं। उड़नदस्तों की टीम ने अब तक 100 से ज्यादा विद्यार्थियों पर नकल प्रकरण दर्ज किए हैं। साथ ही परीक्षाओं पर नियंत्रण रखने के लिए परीक्षा नियंत्रण कक्ष भी प्रत्येक वर्ष की भांति बनाया गया है। परीक्षा नियंत्रण कक्ष द्वारा उड़नदस्तों को विशेष तौर पर नकल प्रकरणों के साथ-साथ परीक्षा केंद्रों पर उत्तर पुस्तिकाओं एवं प्रश्नपत्र के रखरखाव से संबंधित सभी अभिलेखों की जांच करने के भी निर्देश दिए गए हैं। इस वर्ष पिछले वर्ष की तुलना में कम नकल प्रकरण बने हैं। अब तक जितने भी नकल प्रकरण बने हैं, उन पर विवि यूएफएम समिति द्वारा जांच की गई और प्रत्येक प्रकरण के स्थिति के आधार पर निर्णय लिया गया है। हालांकि, नकल प्रकरणों की संख्या कम हो रही है। वर्ष 2022 में 934 मामले और 2023 में 254 नकल प्रकरण के मामले दर्ज किए गए।

इस तरह की कार्रवाई की गई

विवि की विभिन्न परीक्षाओं में उड़नदस्तों द्वारा करीब 100 विद्यार्थियों को नकल करते हुए पकड़ा गया था, इसमें पकड़े गए विद्यार्थियों के प्रकरणों पर विवि समिति द्वारा प्रकरणों की गंभीरता एवं नकल में संलिप्तता के आधार पर कार्रवाई की गई, इसमें 60 विद्यार्थियों की संबंधित विषय की परीक्षा निरस्त कर दी गई है। 11 विद्यार्थियों का केवल पेपर निरस्त किया गया है, जिसमें वह परीक्षा दे रहे थे। वहीं, अति गंभीर प्रवृत्ति के 26 नकल प्रकरण ऐसे हैं, जिसमें विद्यार्थियों की सभी विषयों की परीक्षा निरस्त कर दी गई है। इसमें सिर्फ तीन विद्यार्थी ऐसे पाए गए हैं, जिनके ऊपर कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की गई है। उड़नदस्तों की सतत निगरानी एवं विश्वविद्यालय परीक्षा पर किए जा रहे नियंत्रण के कारण इस परीक्षा में नकल प्रकरणों की संख्या अपेक्षाकृत कम पाई गई। - प्रो. पवन मिश्रा, प्रभारी परीक्षा नियंत्रण कक्ष एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण, बीयू

शिक्षक संगठनों की मांग, भीषण गर्मी को देखते हुए स्कूलों में बढ़ाया जाए ग्रीष्मावकाश

सिटी चीफ भोपाल

वर्तमान में मध्यप्रदेश के कई जिलों का तापमान 44 से 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार तापमान के अभी और बढ़ने की आशंका है। इसे लेकर शासकीय शिक्षक संगठन मध्यप्रदेश के प्रांताध्यक्ष राकेश दुबे ने मप्र के मुख्य सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग की प्रमुख सचिव और लोक शिक्षण संचालालय की आयुक्त और राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक को पत्र लिखकर मांग की है कि स्कूलों में ग्रीष्मावकाश को बढ़ाया जाए।

शिक्षक संगठन के इस पत्र में कहा गया है कि एक जून से शिक्षकों के लिए एवं 15 जून से बच्चों के लिए विद्यालय प्रारंभ किए जाने के निर्देश हैं। वहीं जून के प्रथम सप्ताह में पांचवीं व आठवीं और 10वीं व 12वीं की पूरक परीक्षा भी होनी है। इस चिलचिलाती गर्मी में बच्चों को स्कूल आना उनके स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उचित नहीं है। वहीं इस वर्ष शिक्षकों को भी ग्रीष्मावकाश का पूर्ण लाभ प्राप्त नहीं हो सका है। इस साल ग्रीष्मकालीन अवकाश 40 दिन के बदले 31 दिन का मिला है। वहीं 15 मई तक तो शिक्षक लोकसभा चुनाव में लगे रहे। जहां चुनाव अप्रैल में हो गए, वहां अकादमिक प्रशिक्षण प्रारंभ कर दिए गए। वहीं मई में पुर्नमूल्यांकन, पुस्तक-वितरण, मध्यान्ह भोजन की जानकारी, छात्रवृत्ति खाते अद्यतन करने, ड्राप बाक्स के छात्रों के प्रोफाइल अपडेट एवं साक्षरता सर्वे में शिक्षक लगे रहे। शिक्षकों को भी कम से कम 15 दिन का अतिरिक्त ग्रीष्मावकाश प्रदान किया जाना चाहिए या संपूर्ण अवधि को अर्जित अवकाश के लिए मान्य किया जाना चाहिए । संगठन ने मांग की है कि शिक्षकों को ग्रीष्मकालीन अवकाश के बदले में अर्जित अवकाश की पात्रता प्रदान की जाए। बच्चों के लिए स्कूल एक जुलाई से प्रारंभ किया जाए।

साम्पदकीय

टी-20 क्रिकेट में बदलाव की दरकार, भारत से हो शुरुआत

मौजूदा आईपीएल टूर्नामेंट दो महीने से अधिक समय तक चला तो यह अपनी ओर बहुत अधिक लोगों को आकर्षित नहीं कर पाया। विगत चार से अधिक शताब्दियों से क्रिकेट ने कई बड़े बदलाव देखे हैं। टी-20 फॉर्मेट में बदलाव की शुरुआत अब भारत की भूमि से की जा सकती है।टी-20 क्रिकेट को करीब 21 साल हो चुके हैं। इसकी शुरुआत भी क्रिकेट की जन्मभूमि इंग्लैंड से हुई है। वहां 13 जून 2003 को पहला टी-20 मैच खेला गया था, जिसे भरपूर दर्शक मिले थे। धीरे-धीरे यह पूरे क्रिकेट जगत में फैल गया और वर्ष 2007 में टी-20 का वर्ल्ड कप खेल लिया गया, जो भारत ने जीता। अगले ही साल 2008 में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल की शुरुआत कर दी। हालांकि, अब टी-10 क्रिकेट भी कई क्लब खेल रहे हैं।आईपीएल को भी अपने 18वें संस्करण को और रोमांचकारी बनाने की जरूरत है। बीसीसीआई टी-20 को टी-12 में बदलकर नई राह दिखा सकता है। इस फॉर्मेट में 11-11 खिलाड़ी ही हों। एक बॉलर अधिकतम 3 ओवर फेंके। एक ओवर में तीन बाउंसर फेंकने की परमिशन हो। बाउंड्री को थोड़ा छोटा किया जाए। बाकी नियम यथावत रखे जाएं। इससे एक तो समय की बचत होगी, दूसरा एक दिन में दो से अधिक मैच कराए जा सकेंगे। क्रिकेट का रोमांच बढ़ेगा।वनडे क्रिकेट के फॉर्मेट में बदलाव का समय भी आ गया है। मौजूदा 50 ओवर के वनडे मैच को 30 ओवर तक सीमित किया जाना चाहिए। एक गेंदबाज अधिकतम 6 ओवर फेंके। रनआउट के एक नियम में बदलाव हो, जिसमें बल्लेबाज के शॉट मारने पर बॉल इत्तेफाक से गेंदबाज की उंगलियों या पैर को छूकर विकेट में लगती है और दूसरे छोर का बल्लेबाज आउट हो जाता है। यह नियम क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से बाहर किया जाए।क्रिकेट की जन्मभूमि इंग्लैंड है। वहां 450 या 1066 ईस्वी में क्रिकेट की शुरुआत हुई, लेकिन वयस्कों के क्रिकेट खेलने का पहला प्रमाण साल 1611 में मिलता है, तब इसे लड़कों के खेल के रूप में परिभाषित किया जाता था। हालांकि, क्रिकेट के नियम साल 1744 में आए। तब दोनों कप्तानों को दो अंपायर चुनने का अवसर मिला। स्टांप की ऊंचाई 22 इंच कर दी गई। स्टंप्स की बेल्स का साइज 6 इंच रखा गया। गेंद का वजन 5 से 6 औंस के बीच था। पिच को 22 गज रखा गया। उस समय बल्ले के आकार और रूप को लेकर कोई पाबंदी नहीं थी, लेकिन 30 साल बाद साल 1774 में बल्ले को सीधा कर दिया गया। बल्ले की चौड़ाई 4 इंच कर दी गई। एलबीडब्ल्यू का नियम लागू कर दिया गया। तभी तीन स्टांप की शुरुआत हुई और हवा में गेंद को लहराकर फेंकने का चलन शुरू हुआ।टेस्ट मैच क्रिकेट की शुरुआत साल 1877 में हुई। उस समय चार दिनों में मैच समाप्त हो जाता था और हर ओवर में चार गेंद होती थीं, साल 1889 में एक ओवर में 5 गेंदें कर दी गईं, लेकिन साल 1990 में 6 गेंदों का ओवर होने लगा, जो अब तक चल रहा है। टेस्ट मैच को भी पांच दिन का कर दिया गया। 19वीं सदी में व्हाइड बॉल का नियम आया। गेंद का सटीक व्यास आया। हाथ के दस्ताने, हेलमेट का प्रयोग शुरू हुआ। बाउंड्री की शुरुआत हुई। ओवर आर्म बॉलिंग को जायज ठहराया गया। वनडे क्रिकेट की शुरुआत इत्तेफाक से हुई। दरअसल, 5 जनवरी 1971 को ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड के बीच मेलबर्न में टेस्ट मैच खेला जा रहा था, लेकिन पहले तीन दिन बारिश के कारण खराब हो गए तो दोनों टीमों के बीच 40-40 ओवर का एक दिवसीय मैच खेलने का निर्णय लिया गया है, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने पांच विकेट से जीता। शुरुआत में 60-60 ओवर का वनडे हुआ। फिर इसे कभी 40, कभी 45 तो कभी 55 ओवर का रखा गया, लेकिन अंतत: वनडे मैच को 50 ओवर का कर दिया गया, जो अब तक जारी है। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि पहला इंटरनेशनल क्रिकेट मैच साल 1844 में अमेरिका और कनाडा के बीच टोरंटो में खेला गया था, जिसे कनाडा ने जीता। साल 1862 में पहली बार इंग्लैंड की टीम ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर गई। भारत में क्रिकेट 18वीं सदी में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी लेकर आई। वर्ष 1792 में कोलकाता में क्रिकेट क्लब का निर्माण हुआ, तब से लेकर अब तक क्रिकेट भारत का मुख्य खेल बन चुका है। कभी यह अभिजात्य वर्ग का खेल था, लेकिन आज आम भारतीय का बच्चा भी क्रिकेट में नाम रोशन कर रहा है। वर्ल्ड क्रिकेट में भारत का सिक्का चलता है। हमारा क्रिकेट बोर्ड दुनिया में सबसे अमीर है और हमारी बात का वजन सबसे अधिक है। इसलिए क्रिकेट में और बदलावों की शुरुआत भारत से ही होनी चाहिए।

चिंता: सेहत पर भारी 'वर्क फ्रॉम होम', बेहतर स्वास्थ्य के लिए कमरे के बाहर की दुनिया और घूमना-फिरना भी जरूरी

मजबूरी से जरूरत बनता 'वर्क फ्रॉम होम' अब सिरदर्द बनता जा रहा है। हालांकि स्वास्थ्य जगत से जुड़े लोग इसे लेकर पहले से ही काफी आशंकित थे कि अपनी मनमर्जी से काम करने की आदत सेहत पर भारी पड़ेगी। वही अब हकीकत में दिखने लगी है। लोगों को अब इसका नुकसान समझ में आने लगा है। कोरोना के चलते पूरी तरह बदली हुई जिंदगी में कभी असंभव सा लगने वाला 'वर्क फ्रॉम होम' इस कदर हावी हुआ कि दुनिया भर में लोग घर से ही काम करने लगे।

जर्नल ऑफ एप्लाइड साइकोलॉजी में प्रकाशित उस अध्ययन ने तो दो बरस पहले ही इसको लेकर आगाह कर दिया था। तभी ऐसे शारीरिक और मानसिक दुष्परिणामों की दस्तक सामने आने लगी, जो वीडियो कॉन्फ्रेंस या ज्यादा वक्त ऑनलाइन रहने के चलते सेहत के लिए नुकसानदेह साबित हो रही थी। लेकिन जानते, समझते हुए भी बहुतेरे लोगों ने 'वर्क फ्रॉम होम' की आड़ में घर में रहने और अपनी मनमर्जी के मुताबिक आरामदेह परिस्थितियों में काम करना जारी रखा। आराम के साथ काम करने की शैली ने शारीरिक दक्षता और फिटनेस को बुरी तरह प्रभावित किया। बिस्तर पर लेटे-लेटे, लैपटॉप पर काम निपटाना या घरेलू पोशाक में यहां-वहां बैठकर काम करने की आदत ने जहां दफ्तरों के अनुशासन को खत्म किया, वहीं रोज-रोज संगी-साथियों के साथ मुलाकात का अवसर भी छीन लिया। एक तरह से दफ्तर का रोजाना का गेट-टूगेदर भी खत्म हो गया। इस तरह 'वर्क फ्रॉम होम' के जरिये काम करने वाला वर्ग नितांत अकेला हो गया। माना कि कोरोना काल में यह मजबूरी थी, लेकिन प्रतिबंधों के हटने के बाद यह जरूरी क्यों बनी हुई है? डाटा जर्नलिज्म वेबसाइट 'स्टैटिस्टा' के हालिया सर्वे ने और चिंताएं बढ़ा दी हैं। अमेरिका में लगभग छह हजार लोगों के बीच कराए गए सर्वे में पाया गया कि वर्क फ्रॉम होम यानी घर से काम करने वाले लोग ज्यादा संख्या में बीमार हुए। इसमें बताया गया है कि 59 प्रतिशत लोगों को कमर दर्द, सिरदर्द ने परेशान किया, तो 54 प्रतिशत लोग ऐसे मिले, जिन्हें किसी न किसी प्रकार के दर्द ने जकड़ लिया। वर्क फ्रॉम होम करने वालों का पाचन तंत्र भी बुरी तरह प्रभावित हुआ। जिन्हें पेट की कभी कोई गंभीर शिकायत नहीं थी, उन्हें पाचन की समस्याएं होने लगीं। ऐसे लोगों का आंकड़ा 40 प्रतिशत तक पहुंच गया। दूसरी ओर, कार्यस्थल पर जाकर काम करने वालों में ये समस्याएं केवल 34 प्रतिशत निकलीं। हैरानी की बात यह रही कि घर के बंद कमरे में काम करने वाले 40 प्रतिशत लोग सर्दी-खांसी का शिकार हुए, वहीं दफ्तर के खुले माहौल में काम करने वालों का आंकड़ा केवल 34 प्रतिशत निकला। यह काफी चिंताजनक था कि घर बैठे लोग सर्दी-खांसी का ज्यादा शिकार हुए, जबकि ऑफिस वाले कम। मानसिक रूप से परेशान रहने वालों की संख्या भी चौंकाने वाली रही। घर से काम करने वाले 46 प्रतिशत लोगों को शिकायत थी कि घर से काम के दौरान उन्हें मानसिक समस्या से जूझना पड़ा, जबकि जो लोग अपने कार्य स्थल से काम करते थे, उनमें यह प्रतिशत केवल 36 रहा। निश्चित रूप से कोरोना ने लोगों को बुरी तरह प्रभावित किया। लेकिन कोरोना के बाद जिनको 'वर्क फ्रॉम होम' से सहूलियत महसूस हो रही थी, उनका शरीर तरह-तरह की बीमारियों का घर बन गया। एक ही जगह बैठे-बैठे या लेटे-लेटे काम करने या सुबह उठते ही या फिर रात में देर तक काम करते रहने जैसी आदतों ने दफ्तर के अनुशासन को खत्म किया। कई बार लोग हफ्ते-दस दिन घरेलू काम में मशगूल रहते या खाली समय बिस्तर पर खराटे भरते। न कोई शारीरिक कसरत और न ही सूरज की किरणों से सामना। स्वाभाविक है बीमारियां तो घेरेंगी ही। यकीनन, बेहद कम समय में वरदान से लगते 'वर्क फ्रॉम होम' को अभिशाप में बदलते देर नहीं लगी। अब भी कुछ ज्यादा बिगड़ा नहीं है। हमें शरीर के लिए जितने आराम की जरूरत है, उतना ही कसरत और पसीना बहाने की भी। बेहतर स्वास्थ्य के लिए दफ्तर और कमरे के बाहर की दुनिया की गतिविधियां, मेल, मुलाकात, घूमना, फिरना, टहलना और कार्य स्थल पर संगी-साथियों से वार्तालाप मानसिक और शारीरिक जरूरतों के लिए क्यों आवश्यक है, शायद यह अब सबको समझना जरूरी है।

खुद के अस्तित्व के लिए कट्टर बने रहना इस्राइल की मजबूरी, रईसी की मौत के बाद बंट सकता है समर्थन

मेरे एक मित्र ने मुझे बताया कि पश्चिम एशिया का मौजूदा संकट दो तारीखों से संबंधित एक सवाल पर आधारित है कि 1948 और 1979 में से किस ऐतिहासिक क्षण के पलटने की संभावना है? ये तारीखें इस्राइल के निर्माण और उसके 31 साल बाद ईरानी क्रांति से संबंधित हैं। इस प्रश्न का निहितार्थ यह है कि यहूदी राज्य और इस्लामी गणतंत्र स्थायी रूप से एकसाथ अस्तित्व में नहीं रह सकते, कम से कम तब तक, जब तक दूसरा (इस्लामी गणतंत्र) पहले (यहूदी राज्य) को खत्म करने की चाह रखता हो। हाल के दिनों ने उनके पतन के दो संभावित माध्यमों को चर्चा में ला दिया है।

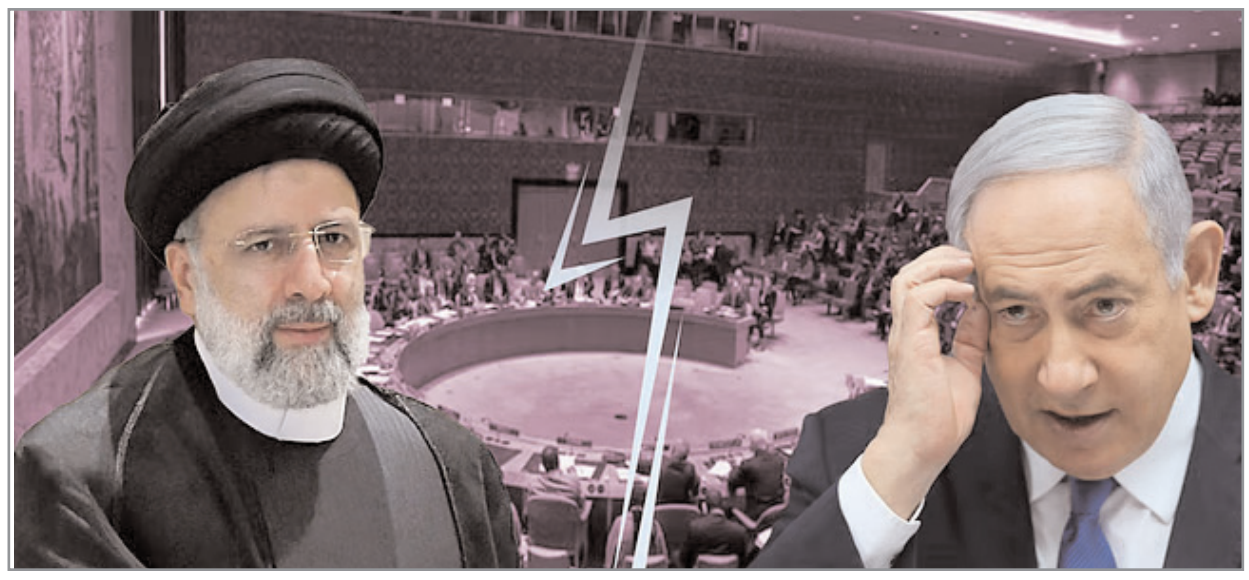

सबसे पहले, अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के अभियोजक करीम खान ने घोषणा की कि वह प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और इस्राइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट के लिए आवेदन करेंगे। यह अलग बात है कि इस फैसले से दोषसिद्धि तो दूर की बात है, किसी की गिरफ्तारी भी संभव नहीं है। बाइडन प्रशासन ने पहले ही इस फैसले की निंदा की है और यहां तक कि जिन देशों के इस्राइल से कम दोस्ताना रिश्ते हैं, वे भी मानते हैं कि परमाणु हथियार संपन्न और ताकतवर खुफिया एजेंसी वाले किसी राष्ट्र के नेता की गिरफ्तारी संभव नहीं है। लेकिन यह घोषणा उसी व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत इस्राइल के विरोधी मानते हैं कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता खत्म करने और अलग-थलग करने से धीरे-धीरे इस्राइल पतन की ओर अग्रसर होगा। यहां तक कि नेतन्याहू और गैलेंट के साथ हमास के तीन नेताओं की गिरफ्तारी की मांग करने का करीम खान का फैसला भी उसी समग्र रणनीति का हिस्सा है, क्योंकि यह इस्राइली नेताओं को नैतिक स्तर पर आतंकवादियों के साथ रखता है। फिर हाल ही में ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी, विदेश मंत्री हुसैन अमीर अब्दुल्लाहियन और छह अन्य लोगों की मृत्यु भले ही दुर्घटनावश हुई हो। लेकिन इस आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि जिस हेलिकॉप्टर में वे थे, उसे घरेलू या विदेशी साजिशकर्ता द्वारा गिराया गया। दुर्घटना का जो भी कारण हो, यह शासन के लिए विश्वासघात और पूर्वाभास को समझने में कमजोरी दोनों को दर्शाता है। %विश्वासघात% इसलिए कि सक्षम राष्ट्रों को अपने अति विशिष्ट व्यक्तियों को बिना दुर्घटना के विमान में ले जाने में सक्षम होना चाहिए। और %पूर्वाभास में कमी% इसलिए कि 1980 के दशक में हजारों कैदियों को फांसी पर चढ़ाकर अपना दबदबा कायम करने वाले रईसी को व्यापक रूप से ईरान के 85 वर्षीय सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाता था। ऐसे में, उनकी सुरक्षा को लेकर ज्यादा एहतियात बरतनी चाहिए थी। अब ईरान को 50 दिनों के भीतर चुनाव कराने होंगे, जो शासन की गंभीर अलोकप्रियता को उजागर करेगा। वर्षों से मतदान का प्रतिशत घटता जा रहा है, क्योंकि खामेनेई चुनावी मैदान में सबसे कट्टर उम्मीदवारों को ही उतारते हैं। यह उनके उत्तराधिकार के लिए सत्ता संघर्ष का मंच भी तैयार करता है, खासकर खामेनेई के अलोकप्रिय बेटे मोज्तबा को उत्तराधिकार सौंपने के प्रति व्यापक अनिच्छा को देखते हुए शासन को उनकी इच्छा से प्रभावी ढंग से राजशाही में बदल दिया गया है। अगर गंभीर आर्थिक संकट को 2022 के विरोध प्रदर्शन के क्रूर दमन से उपजे गुस्से के साथ जोड़ दें, तो गंभीर अस्थिरता की आशंका या शासन के अचानक पतन का खतरा वास्तविक महसूस होने लगता है। ऐसे में, यही सवाल उठता है कि इस्राइल या ईरान में से किस पर संकट ज्यादा है? जैसा कि पूर्व ईरानी राष्ट्रपति अकबर रफसंजानी ने एक बार कहा था। इस्राइल के लिए सबसे गंभीर खतरा यह है कि %एक परमाणु बम समूचे इस्राइल को खत्म कर देगा। लेकिन इससे इस्लामी जगत को सिर्फ नुकसान ही होगा। इसलिए, इस पर विचार करना अतार्किक है। ईरान की बढ़ती परमाणु क्षमताओं (और उस बारे में अस्पष्टताओं) को लेकर पश्चिमी दुनिया को जरूर चिंतित होना चाहिए। लेकिन आईसीसी के कदमों से या फिर शैक्षिक संस्थानों में विरोध जताने से इस्राइल को न के बराबर खतरा है। उनकी सोच यह है कि इस्राइली लोगों को एक खास क्षेत्र में बसाया नहीं गया था। यहूदियों का मानना है कि वे मूल रूप से इस्राइल से हैं। यहूदीवाद इतिहास का सबसे पुराना उपनिवेशवाद-विरोधी संघर्ष है, जो रोमन युग में शुरू हुआ था। जहां तक इस्राइली यहूदियों के अपने पूर्वजों की भूमि पर लौट जाने की बात है, तो सवाल उठता है कि उनके पूर्वजों की भूमि कहां है और क्या है। रूसी नरसंहार या अरब नरसंहार या सामूहिक नरसंहार की भूमि ? इस्राइल के कटु आलोचक इसे भूल जाते हैं, लेकिन इस्राइली नहीं। उनके पास जाने के लिए कोई जगह नहीं है, यह तथ्य अब यहूदी प्रवासी समुदायों के प्रति नफरतों से उजागर है। इस्राइल पर अपने दुश्मनों के समक्ष नरम पड़ने के लिए जितना दबाव डाला जाएगा, उतना ही यहूदीवाद पैदा होगा। यह कट्टरता यहूदी पहचान से जुड़ी हुई है। ईरान में शासन के लिए मुख्य खतरा भीतर से और नीचे से आता है। वहां की स्थितियों में यह भूलना आसान है कि 2022 में हिजाब और महिलाओं के अधिकारों को लेकर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों से पहले भी कई विरोध प्रदर्शन हुए थे। हालांकि शासन बेहद हिंसक तरीकों के असंतुष्टि को दबाने में सफल रहा है, लेकिन इन विरोध प्रदर्शनों की बढ़ती आवृत्ति से स्पष्ट है कि शासन के प्रति जनता का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। रईसी की मौत के साथ शासन को जो समर्थन मिल भी रहा है, वह बंट सकता है। अर्थशास्त्र का एक अनौपचारिक नियम, जिसका नाम हर्बर्ट स्टेन के नाम पर रखा गया है, के अनुसार, जो प्रवृत्तियां जारी नहीं रह सकतीं, वे नहीं रहेंगी। यह नियम राजनीतिक अस्तित्व पर भी लागू हो सकता है। ईरान की तरह इस्राइल में भी घरेलू कमजोरियां हैं, जिनमें से कुछ ही सात अक्तूबर से पहले न्यायिक सुधार को लेकर चल रहे प्रदर्शनों के रूप में सामने आई थीं। लेकिन ईरान के शासकों के लिए जोखिम अधिक गंभीर हैं। उन्होंने हमेशा इस्लामी क्रांति का अगुआ होने का दावा किया है, लेकिन लगता है कि वे यह भूल गए हैं कि क्रांतियों द्वारा उन्हीं मूल्यों को नुकसान पहुंचाने का इतिहास रहा है, जिनके लिए वे लड़ी गई। बड़े पैमाने पर ईरान के लोग इस्लामवादी नहीं रहना चाहते। लेकिन खुद का अस्तित्व बचाए रखने के लिए कट्टर बने रहना इस्राइल की मजबूरी है और वह इसके लिए लड़ेगा।

पंचामृत और फलों के रस से अभिषेक के बाद हुई भस्म आरती, निराले स्वरूप में महाकाल ने दिए भक्तों को दर्शन

आज बाबा महाकाल ने निराले स्वरूप में दिए भक्तों को दर्शन दिए। इसके बाद प्रथम घंटाल बजाकर हरिओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को नवीन मुकुट मुंड माला धारण करवाई गई। आज के श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि आज पंचमी तिथि व मंगलवार के संयोग पर भस्मआरती में बाबा महाकाल का एक अलग ही स्वरूप देखने को मिला, जिसमें बाबा महाकाल के ज्योतिर्लिंग को जटाधारी स्वरूप में श्रंगारित किया गया था और बाद में कपड़े से ढांककर भस्मी रमाई गई और भोग भी लगाया गया। जिसके बाद महानिर्वाणी अखाड़े की और से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गयी। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दिव्य दर्शनों का लाभ लिया। जिससे पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया। श्री महाकालेश्वर मंदिर में पुजारी यश गुरु की प्रेरणा से हरियाणा के रेवाड़ी के विनोद यादव द्वारा 100 लीटर पानी की क्षमता का चिलर श्री महाकालेश्वर भगवान जी के चरणों में अर्पित किया गया। मंदिर प्रबंध समिति के सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल द्वारा विधिवत रसीद प्रदान कर दानदाता का सम्मान किया गया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक(ग्रामीण पश्चिम) द्वारा

पावंसा क्षेत्र में चौपाल लगाकर सेक्स वर्कर्स को किया जागरूक

सेक्स वर्कर्स को सरकारी योजनों के संबंध में दी जानकारी

उज्जैन पुलिस अधीक्षक उज्जैन द्वारा अपराधों में अंकुश लगाने एवं आम नागरिक को जागरूक करने हेतु समय - समय पर जागरूकता अभियान चलाने हेतु निर्देशित किया गया इसीक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण पश्चिम) सुश्री पल्लवी शुक्ला द्वारा महिला संघर्ष समिति के सहयोग से पावंसा क्षेत्र में सेक्स वर्कर्स को सही दिशा में लाने हेतु चौपाल लगाकर सरकारी योजनाओं के संबंध में बताया एवम् अन्य व्यवसाय के बारे में जैसे पापड़ बनाना, ब्यूटी पार्लर कोर्स, सिलाई कोर्स, एवं कुटीर उद्योग के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया, साथ ही एच.आई.वी. जैसी गंभीर बीमारियों के खतरों पर चर्चा की गई।

उज्जैन में अगर लाईट की समस्या हो तो दिए गए नंबर पर फोन लगाए

उज्जैन - मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के गृह नगर उज्जैन में किसी भी प्रकार की कोताही बरते जाने पर उज्जैन कलेक्टर नीरज सिंह ने सख्त नाराजगी दिखाई है यह नहीं स्वास्थ्यक को भी लताड़ते हुए 1912 पर स्वयं फोन लगाया।। उज्जैन कलेक्टर ने सोमवार को बैठक लेकर निर्देश दिए कि जिले में विद्युत आपूर्ति सुचारू रूप से की जाए। खराब हुए ट्रांसफार्मर समय पर बदले जाएं। झूलते बिजली के तारों , खंबो का मेंटेनेंस अच्छे से कराएं। सुनिश्चित करें कि विद्युत संबंधी शिकायतों का निराकरण तेजी से हो। विद्युत संबंधी शिकायतों को निराकरण के लिए बनाए गए कॉल सेंटर का प्रभावी ढंग से संचालन किया जाए। यह निर्देश उज्जैन कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने सोमवार को प्रशासनिक संकुल भवन में विद्युत आपूर्ति संबंधी समीक्षा बैठक में अधीक्षण यंत्री एमपीईबी को दिए।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने विद्युत आपूर्ति की व्यवस्थाओं की समीक्षा कर एमपीईबी के हेल्पलाइन नंबर 1912 और जोनवाइस जारी हेल्पलाइन नंबर पर स्वयं कॉल कर शिकायतों के निराकरण की गुणवत्ता परखी। उन्होंने कहा कि हेल्पलाइन नंबर पर आने वाली शिकायतों का त्वरित निराकरण हो यह सुनिश्चित किया जाएं। कलेक्टर श्री सिंह ने विद्युत संबंधित शिकायतों के त्वरित निराकरण में उदासीनता बरतने पर अधीक्षण यंत्री एमपीईबी से स्पष्टीकरण लेने के भी निर्देश दिए।उज्जैन शहर वासियों को विद्युत संबधी शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु लोकल लेवल पर जोनवार 24म7 कॉल सेंटर प्रारंभ हुआ,,, वर्तमान में विद्युत उपभोक्ताओं की विद्युत संबंधी शिकायत निवारण हेतु 24*7 केंद्रीकृत कॉल सेंटर 1912 क्रियान्वित है। खराब मौसम के दौरान विद्युत संबंधी शिकायतें बढ़ने से कॉल सेंटर पर एक साथ अत्यधिक मात्रा में फोन पहुंचते है जिससे कई बार उपभोताओं को 1912 पर फोन लगाने में असुविधा हो सकती है।

अधीक्षण यंत्री उज्जैन प्रेम सिंह चौहान द्वारा बताया गया कि इस समस्या से निराकरण हेतु उज्जैन शहर के दोनो शहर संभागों के सभी 9 जोन कार्यालयों पर 24म 7 कॉल सेंटर स्थापित किए गए है जिन पर 24म7 ऑपरेटर विद्युत संबंधी शिकायतें सुनेंगे व उनका त्वरित निराकरण हेतु संबंधित फील्ड कर्मी को शिकायत फॉरवर्ड करेंगे, जिसके उपरांत जोन कार्यालय अंतर्गत शिफ्ट में उपलब्ध एफ ओ सी विद्युतकर्मी शिकायत का त्वरित निराकरण करेंगे। जोन वार शिकायत केंद्र के नंबर निम्नानुसार हैं-

पूर्व शहर संभाग उज्जैन अंतर्गत-
महानंदा जोन 0734 2920115
महाश्वेता जोन 0734 2920113
कियोस्क जोन 0734 2920112
मक्सी रोड जोन 0734 2920118
पश्चिम शहर संभाग उज्जैन अंतर्गत-
वल्लभ नगर जोन 0734 2990745
खेड़ापति जोन 0734 2990748
नई सड़क जोन 0734 2990746
छत्री चौक जोन 0734 2990751

101 अधिवक्ताओं ने फिल्म जॉली एलएलबी-3

दायरवाद के विरुद्ध आपत्ति प्रार्थना पत्र खारिज

अक्षय कुमार को झटका, ?

अगली सुनवाई 5 जुलाई

अजमेर अजमेर जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष चंद्रभान सिंह राठौड़ के द्वारा अधिवक्ता डॉ योगेंद्र ओझा, राजीव भारद्वाज बगरु, प्रशांत यादव,संजय गुर्जर, गुलाब सिंह,राजेश यादव सहित 101 अधिवक्ताओं ने फिल्म जॉली एलएलबी-3 को लेकर वाद माननीय सिविल न्यायाधीश उत्तर अजमेर यश विश्नोई के अदालत में दायर किया। यह जानकारी देते हुई अधिवक्ता राजीव भारद्वाज बगरु ने बताया कि वाद में डायरेक्टर सुभाष कपूर, फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार, अरशद वारसी,रेलवे डीआरम राजीव धनखड़, जिला कलेक्टर सहित थानाधिकारी सिविल लाइंस अजमेर के विरुद्ध वाद पेश किया गया था। वाद की सुनवाई पश्चात माननीय न्यायालय द्वारा सभी प्रतिवादियों को नोटिस जारी किये। जिसमें सुभाष कपूर, अक्षय कुमार, अरशद वारसी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता माधव मित्र शर्मा, डीआरम की ओर से बसंत विजयवर्गीय, कलेक्टर व थानाधिकारी की तरफ से लोक अभियोजक विवेक पाराशर ने उपस्थिति दी। रेलवे के अधिवक्ता बसंत विजयवर्गीय व अक्षय कुमार, अरशद वारसी, सुभाष कपूर के अधिवक्ता माधव मित्र शर्मा ने न्यायालय में वाद को खारिज करने का प्रार्थना पत्र पेश किया, जिसपर वादी के अधिवक्ता योगेंद्र ओझा, राजीव भारद्वाज बगरु, प्रशान्त यादव, संजय गुर्जर ने जवाब पेश किया व वाद के पक्ष में उपरोक्त दोनों प्रार्थना पत्रों को खारिज करने की ठोस रूप से पैरवी की गई।जिस पर आज न्यायाधीश यश विश्नोई ने दोनों प्रार्थना पत्रों को खारिज कर वादी के पक्ष मे आदेश पारित किया, जिसमें आगामी सुनवाई 5 जुलाई तय की गई है।

मुख्यमंत्री शर्मा के निर्देश पर जिले के प्रभारी सचिव 28-29 मई को अपने जिलों में जाकर समीक्षा बैठक

सभी जिला अधिकारियों के साथ करेंगे समीक्षा बैठक

भीषण गर्मी में आला अफसर को सक्रिय करने का निर्णय

जयपुर प्रदेश में भीषण गर्मी को देखते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लोकसभा चुनाव परिणाम घोषित होने से पहले प्रदेश के आला अफसर को सक्रिय करने का निर्णय किया है। मौसम से आमजन को राहत दिलाने के लिए मुख्यमंत्री शर्मा नेअपने स्तरपर कुछ महत्वपूर्ण फैसले लिए जा रहे हैं। इसी क्रम में अब मुख्यमंत्री शर्मा के निर्देश पर सभी ज़िलों के प्रभारी सचिवों को संबंधित जिलों में अगले दो दिन 28 और 29 मई को जाकरप्रभावी ढंग से जिला प्रशासन के अधिकारियों की समीक्षा बैठक का अपने रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश जारी किए हैं। प्रशासनिक सुधार विभाग ने मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रभावी सचिवों को एक परिपत्र जारी कर सभी प्रभारी सचिवों को निर्देश जारी करते हुए 12 बिंदुओं पर समीक्षा और निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं।इसमें पेयजल व्यवस्था, बिजली आपूर्ति, हीटवेव, मौसमी बीमारियां, गौशाला और पशुओं के लिए पेयजल-दवाइयां, ई- फाइल डिस्पोजल, लंबित हस्तांतरण- रूपांतरण, औद्योगिक भू-आवंटन प्रस्ताव, अवैध खनन, महिला अपराध, खाद्य पदार्थों में मिलावट, जल संरक्षण और पौधरोपण जैसे कार्यों की समीक्षा और निरीक्षण करेंगे।प्रभारी सचिवअपने-अपने जिलों में जाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठकअपनी रिपोर्ट तैयार करेंगे। प्रभारी सचिन अपर्णा अरोड़ा-अजमेर,नकाते शिव प्रसाद मदान- कोटपूतली-बहरोड, अजिताभ शर्मा-अलवर, वैभव गालरिया- श्रीगंगानगर, घनेन्द्र भान चतुर्वेदी - बांसवाड़ा, भवानी सिंह देथा - दौसा, जितेन्द्र कुमार सोनी - शाहपुरा, कुलदीप रांका - नागौर, सुबीर कुमार - बाड़मेर, आनंदी - उदयपुर,करण सिंह - फलौदी, भानू प्रकाश एटरू - चित्तौड़, भास्कर ए. सावंत - चूरू, वी. सरवन कुमार-डीग, वी.पी सिंह-प्रतापगढ़, दिनेश कुमार-जोधपुर, पी.रमेश-धौलपुर, कुंजीलाल मीणा-बून्दी, नवीन महाजन-भीलवाड़ा, ओम प्रकाश बुनकर - अनूपगढ़, डॉ.रवि कुमार सुरपुर-हनुमानगढ़, रवि जैन-झालावाड़, आलोक - जयपुर, जयपुर ग्रामीण, आरती डोगरा- दूदू, विश्व मोहन शर्मा-जालौर, शैली किशनानी को सांचौर, डॉ.समित शर्मा- झुन्झुनू, गायत्री ए राठौड़ - जैसलमेर, राजेन्द्र विजय-डूंगरपुर, टी रविकांत-कोटा,
डॉ.जोगाराम-बारां, नवीन जैन-बीकानेर, शुचि -भरतपुर,पीसी किशन-पाली, कन्हैया लाल स्वामी - डीडवाना, श्रेया गुहा - सीकर, इन्द्रजीत सिंह-नीमकाथाना,पूनम-सिरोही,संदीप वर्मा - सवाईमाधोपुर, महेन्द्र सोनी-गंगापुर सिटी,विकास सीताराम भाले - राजसमंद, कृष्ण कुणाल - ब्यावर,अर्चना सिंह-टोंक,लक्ष्मण सिंह कुड़ी - सलूम्बर,आशुतोष एटी पेडणेकर-करौली,कुमार पाल गौतम - बालोतरा,डॉ पृथ्वीराज-केकड़ी जिले का दौरा करेंगे और अपने रिपोर्टमुख्य सचिव सुधांशु पत के माध्यम से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को सौंपी जाएगी।

हनुमान टेकरी चोरी का हुआ पर्दा फास्ट चार साल पहले हनुमान टेकरी पर चोरी के करने वाले आरोपी गिरफ्तार

कोतवाली और कैंट पुलिस ने दबोचे चार आरोपी, उम्मीद से छह गुना निकली चोरी

गुना-गुना जिलेवासियों की आस्था का केंद्र हनुमान टेकरी मंदिर पर चार वर्ष पूर्व हुई चोरी के मामले में शहर की कैंट और कोतवाली पुलिस ने खुलासा करते हुए चार आरोपियों को दबोचा है। पूरी वारदात के खुलासे में एक आरोपी द्वारा हाथ में बनवाए गए टैटू की मुख्य भूमिका रही। उक्त टैटू की मदद से पुलिस ने आरोपी को दबोचा। जिसके बाद उसके साथी तीन और आरोपियों को दबोचा है। इनमें से तीन मुख्यत- नशे के आदि हैं, जबकि चौथा आरोपी प्रतिदिन हनुमान टेकरी पर दर्शन करने आता था। प्राप्त जानकारी के अनुसार 18-19 जून 2020 की मध्य रात्रि में टेकरी मंदिर परिसर में रखे दान पत्रों को तोडक़र कुछ अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी कर दान पात्र में रखे रूपये चोरी किये गये थे। उक्त घटना की टेकरी मंदिर के सुरक्षा गार्ड बाबूसिंह यादव निवासी धरनावदा की रिपोर्ट पर से अपराध क्रमांक 558/2020 धारा 457, 380 भादवि का पंजीबद्ध किया गया था। तत्समय में उक्त चोरी के अज्ञात आरोपियों के संबंध में जानकारी प्राप्त करने हेतु पुलिस द्वारा आसपास के ग्रामीणों एवं संदिग्ध व्यक्तियों के फिंगर प्रिंट लिये गये थे एवं मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर कई संदिग्धों से पूछताछ की गई थी। लेकिन तत्समय कोई सफलता हांसिल नहीं हुई थी। दरअसल वर्तमान में मुख्यमंत्री द्वारा सभी जिले के पुलिस अधीक्षकों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हुई बैठक में गंभीर एवं सनसनीखेज मामलों के निकाल करने के निर्देश दिये गये थे। जिसके तहत एसपी श्री सिंहा द्वारा जिले के सभी थाना प्रभारियों एवं अधिकारी कर्मचारियों को जिले के गंभीर एवं सनसनीखेज अपराधों के शीघ्रता से निकाल करने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में एसपी श्री सिंहा द्वारा गुना में धार्मिक आस्था के केंद्र हनुमान टेकरी मंदिर में चार साल पूर्व हुई चोरी की घटना के इस अनसुलझे प्रकरण को संवेदनशीलता से लेकर टेकरी मंदिर चोरी के अज्ञात आरोपियों की पहचान कर जिन्हें जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिये गये। मामले में कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक अनूप कुमार भार्गव व विशेष टीम उपनिरीक्षक संदीप यादव, आरक्षक नीलेश रघुवंशी, आरक्षक राजीव रघुवंशी, आरक्षक नवदीव अग्रवाल, आरक्षक संजय जाट, आरक्षक विजीत शर्मा, आरक्षक धीरेन्द्र गुर्जर की टीम द्वारा पिछले तीन दिनों से गंभीर एवं सनसनीखेज मामलों में लगातार संदेहियों से पूछताछ प्रारंभ की गई । आरोपियों की पतारसी के क्रम में गत् दिवस टेकरी मंदिर चोरी में संदिग्धों के संबंध में मुखबिर से कुछ जानकारी प्राप्त होने पर पुलिस टीम द्वारा मुखबिर के बताये संदिग्धों की सघनता से तलाश की गई। जिसमें संदेही गणेशराम जयसवाल उर्फ गन्नू पुत्र बाबूलाल जयसवाल, मनोज जोगी उर्फ अक्षय पुत्र दिनेश, अनिल मेर उर्फ अन्नू उर्फ केशरा पुत्र प्रेमनारायण मेर एवं मनोज चौरसिया पुत्र भगवानलाल चौरसिया निवासीगण ग्राम गढ़ा थाना धरनावदा जिला गुना के हुलिया व कद काठी चार साल पहले हनुमान टेकरी मंदिर में हुई चोरी में शामिल अज्ञात चोरों से मिलान खाने पर उक्त संदेहियों से पृथक-पृथक पूछताछ करने पर चारों संदेहियों के द्वारा एक साथ मिलकर चार साल पहले हनुमान टेकरी मंदिर में चोरी करना स्वीकार किया।

बारदात का तरीका

इस बारे में सोमवार को पुलिस कंट्रोल रूम पर आयोजित पत्रकारवार्ता में एसपी संजीव सिन्हा ने बताया कि चारों आरोपियों के द्वारा पूछताछ के दौरान बताया कि घटना दिनांक के करीब 10-15 दिन पहले गणेश एवं अन्नू ने चोरी करने की योजना तैयार की थी। जिसमें मनोज जोगी व मनोज चौरसिया को शामिल किया। फिर घटना के एक दिन पूर्व गणेश जयसवाल ने पहचान छिपाने के लिए घटना करते समय पहनने के लिए सदर बजार गुना से चार बनियान खरीदीं थीं। घटना दिनांक को चारों आरोपी मुताबिक प्लान के गढ़ा बस स्टेण्ड पर रात्री करीब 09-10 बजे के बीच एकत्रित हुए अन्नू अपने घर से एक लोहे का सरिया तथा गणेश अपने घर से एक लोहे का सब्बल तथा प्लास्टिक के कट्टे लेकर आया था। फिर वहां से चारों थोडे आगे गणेश के खेत पर पहुंचे। यहां गणेश के द्वारा बजार से खरीदी गई बनियानें उठाई और फिर चारों पैदल पैदल सिंघाडी गांव वाले कच्चे सस्ते से टेकरी मंदिर के लिए रवाना हुए। रास्ते में चारों ने पहले से पहनी हुई अपनी शर्ट रास्ते में छुपा दीं तथा खरीदकर लाई हुई बनियाने पहनकर अपनी अपनी तोलियों से अपने मुंह बांध लिए। फिर रात्री में हनुमान टेकरी मंदिर के पास पहुंच गये

और यहां पर पीछे वाले जिंद बाबा के पास बाली सीढियों से चढकर मंदिर के पीछे पहुंच गये और पीछे वाले छोटे गेट को तोडक़र मंदिर में अंदर घुसे। जहां मंदिर में रखे दान पात्रों को सब्बल एवं सरिया से तोडकर उनमें रखे रूपयों को साथ में लाये एक प्लास्टिक के कट्टे में भर लिया। फिर उसी रास्ते से वापस अपनी छिपाई हुई शर्टें पुन- पहनकर सामान्य नागरिक की तरह गणेश के खेत पर पहुंचे। जहां अन्नू एवं गणेश ने सभी के घटना के दौरान पहने हुए बनियान, जूते, तोलिया निकलवाये। फिर उन्हे वहीं पर जला दिया और गणेश ने तीनों लोगों को उनके घर जाने को कहा और रूपयों को बाद में बांटने की कहा। फिर सबके जाने के बाद गणेश ने रूपयों के कट्टे को अपने खेत पर ही छिपा दिया, फिर उसके घर चला गया। एक दिन बाद गणेश ने चोरी किये रूपयों में से 90,000 रूपये अन्नू व मनोज चौरसिया को दिये तथा 10,000 रूपये मनोज जोगी को दिये थे। कुछ दिन बाद 10,000 रूपये और मनोज जोगी को गणेश ने दिये थे तथा करीब 194,000 रूपये गणेश ने अपने पास रख लिये थे। उन तीनों के द्वारा और रूपये मांगने पर गणेश ने उनसे कहा था कि शेष रूपये बाद में बांटेंगे तथा धीरे धीरे उक्त तीनों आरोपियों को गणेश नशा करने के लिए रूपये देता रहा।

जुआ और नशे के आदि हैं आरोपी

एसपी श्री सिंहा के अनुसार आरोपी गणेशराम जयसवाल के द्वारा बताया कि टेकरी मंदिर में चोरी करने से पहले वह जुए में घर के रूपये हार गया था। उसकी पत्नी के इलाज के रूपये भी वह हार गया था। जिसके कारण उसे रूपयों की जरूरत थी। वह टेकरी मंदिर में दर्शन करने जाता था तो उसे टेकरी मंदिर के बारे में पूर्ण जानकारी थी तो उसने अपने साथी अन्नू उर्फ अनिल मेर जो कि पूर्व में भी थाना धरनावदा क्षेत्र में मंदिर में चोरी कर चुका है। उसके साथ मिलकर चोरी की पूरी पटकथा रची। फिर अपने दो अन्य साथी मनोज जोगी उर्फ अक्षय पुत्र दिनेश जोगी निवासी ग्राम गढा एवं मनोज चौरसिया पुत्र भगवानलाल चौरसिया निवासी ग्राम गढ़ा के साथ मिलकर हनुमान टेकरी मंदिर में चोरी को अंजाम दिया। वहीं अन्जू मेर ने पूछताछ पर बताया कि वह स्मैक का नशा करता है। जिसके लिए उसको रूपयों की जरूरत थी। तथा वह पूर्व में भी मंदिर में चोरी कर चुका है। इसलिए वह गणेशराम के साथ चोरी करने के लिए तैयार हो गया था। उसने अपने एक दोस्त मनोज चौरसिया को बुलाया और उसको अपने साथ लेकर गणेश तथा मनोज जोगी के साथ मिलकर टेकरी मंदिर में चोरी की घटना करना बताया। इसी तरह आरोपी मनोज चौरसिया ने पूछताछ में बताया कि उसकी ऑटो गिरवी रखी थी, तो उसे रूपयों की जरूरत थी। इसलिए उसने गणेश जयसवाल, मनोज जोगी तथा अन्नू मेर के साथ मिलकर टेकरी मंदिर में चोरी की थी। जबकि मनोज जोगी ने पूछताछ पर बताया कि वह शराब का नशा करता है तथा जुआ खेलता है। जुए में वह काफी रूपये हार गया उसको रूपयों की काफी जरूरत थी। वह रूपयों को लेकर अक्शर परेशान रहता था इसलिए उसने अपने साथियों के साथ मिलकर मंदिर में चोरी की थी।

1,13,745 रुपये नगद बरामद किए जस मामले में चोरी उम्मीद से छह गुना अधिक निकली। उक्त मामले में पुलिस ने घटना के समय टेकरी पदाधिकारियों द्वारा उम्मीद के मुताबिक 50 हजार रुपए दान पात्र में होना बताया था। लेकिन जब मामले का खुलासा हुआ तो 3.10 लाख रुपए से अधिक की नगदी आरोपियों द्वारा चोरी करना स्वीकार किया। जिसमें से पुलिस ने 1,13,745 रुपए बरामद किए हैं।

आरोपियों की पहचान

आरोपियों की कद काठी अज्ञात चोरों की कद काठी से मिलान खाती है। आरोपी मनोज जोगी उर्फ अक्षय के दाहिने हाथ के अंगूछे के पास बना टैटू मंदिर में चोरी करते समय मंदिर में घुसे आरोपी से मिलान खाता है। पूरी वारदात के खुलासे में कोतवाली टीआई अनूप कुमार भार्गव, संदीप यादव, नीलेश स्युवंशी, राजीव रघुवंशी, नवदीप अग्रवाल, संजय जाट, विनीत शर्मा, धीरन्द्र गुर्जर एवं रवि जाट के अलावा कैंट टीआई दिलीप राजौरिया, जयसिंह निगम, जोगेश शर्मा, राजकुमार रघुवंशी, रानू रघुवंशी, सीसीटीव्ही कन्ट्रोल से राउनि भूपेन्द्र सेंगर, ओमचरण कुशवाह, श्री वघेल, राजेश जाटव एवं साईबर सैल से उपनिरीक्षक अजय प्रताप सिंह एवं आरक्षक कुलदीप भदौरिया की सराहनीय भूमिका रही। उक्त घटना में आरोपियों को गिरफ्तार करने एवं जानकारी देने वाले को गुना पुलिस अधीक्षक की ओर से 10,000 रुपये इनाम उदघोषित किया गया था। 50,000 रुपये हनुमान टेकरी मन्दिर ट्रस्ट की ओर से घोषित किया गया था।

खरगोन पुलिस द्वारा अवैध हथियारो के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही

पियूष अग्रवाल । सिटी चीफ

खरगोन, भीकनगांव उच्च अधिकारियों के निर्देश पर थाना भीकनगांव पुलिस की बड़ी कार्यवाही दिनांक 27.05.24 को थाना भीकनगाँव चौकी बमनाला पर मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि, सेल्दा पुल बमनाला के पास अवैध हथियारों की खरीद-फ़रोख़्त होने वाली है मुखबिर की सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए अति. पुलिस अधीक्षक (शहर) श्री तरूणेन्द्रसिंह बघेल व अनुविभागीय अधिकारी भीकनगाँव श्री राकेश आर्य के मार्गदर्शन मे अनुभाग भीकनगाँव से थाना प्रभारी गोगावां श्री दिनेश सोलंकी, थाना प्रभारी भीकनगाँव श्रीमति मीना कर्णावत, चौकी प्रभारी अहिरखेड़ा उनि धर्मेन्द्र यादव व प्रभारी बमनाला सउनि शत्रुघन देशमुख के नेतृत्व मे एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया व पुलिस टीम को मुखबिर सूचना से अवगत कराया गया. पुलिस टीम द्वारा मे मुखबिर के बताए अनुसार सेल्दा पुल बमनाला के पास झाड़ियों की आड़ लेकर छुपकर पुलिस टीम के द्वारा आने जाने वाले लोगों पर निगाह रखी गई । जिसमे थोड़ी देर बार मुखबिर के बताए हुलिये अनुसार एक व्यक्ति सेल्दा - सिगनूर तरफ से पैदल पैदल आता हुआ दिखाई दिया थोड़ी देर बाद एक संदिग्ध व्यक्ति आता दिखाई दिया जो पुलिस को देख कर भागने लगा जिसे पुलिस टीम के द्वारा घेराबंदी कर पकड़ा गया पकड़ मे आए व्यक्ति से उसका नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम दिलीप पिता गोरेलाल सिंसोदिया जाति भीलाला उम्र 26 साल निवासी ग्राम अंजनगांव थाना बिस्टान का होना बताया । पुलिस टीम के द्वारा दिलीप की तलाशी लेते उसकी कमर से 02 पिस्टल खोसी हुई मिली । दिलीप से पिस्टल रखने के संबंध मे लाइसेंस या दस्तावेज का पूछने पर उन्होंने कोई लाइसेंस या दस्तावेज नहीं होना बताया पुलिस टीम के द्वारा दिलीप से पिस्टल के संबंध मे पूछताछ करने पर दिलीप ने बताया की उक्त अवैध पिस्टल ग्राम सिगनूर के तकदीर उर्फ कट्टा सिकलीकर से खरीदी है एवं बताया कि उक्त सिकलीकर वर्तमान में अपने घर के पीछे अवैध पिस्टलें तैयार कर रहा है । इस सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम को दिलीप की निशानदेही पर तकदीर उर्फ कट्टा सिकलीकर के घर के पीछे दबिश देने हेतु रवाना किया गया पुलिस टीम के द्वारा तकदीर उर्फ कट्टा सिकलीकर के घर के पीछे घेराबंदी कर दबिश दी गई, जिसमे तकदीर उर्फ कट्टा सिकलीकर मौके पर अपने घर के पीछे अवैध पिस्टल बनाते पाया गया पुलिस टीम के द्वारा आसपास तलाशी ली गई जिसमे पुलिस टीम को तकदीर उर्फ कट्टा सिकलीकर के पास से अवैध हथियार के निर्माण की सामग्री जैसे संडासी, ग्राईन्डर मशीन, हथौडा, पाईप, पतरे अर्धनिर्मित पिस्टलों का ढांचा एवं अन्य लोहे का सामान तथा उसके पास ही रखी सफेद रंग की थैली में कुल 17 पिस्टल कुल कीमती लगभग 3,40,000/- रुपये, 01 अर्धनिर्मित पिस्टल कीमती लगभग 10,000/- रुपये तथा दूसरी सफेद रंग की थैली में कुल 05 नग अवैध 12 बोर के देशी कट्टे कीमती 50,000/- रुपये । इस प्रकार तकदीर उर्फ कट्टा सिकलीकर से कुल 23 अवैध फायर आर्म्स कीमती लगभग 4,00,000/- रुपये व दिलीप से 02 अवैध पिस्टल कीमत लगभग 40,000/- रुपये व अवैध पिस्टल बनाने की सामग्री कीमत लगभग 20,000/- रुपये इस प्रकार कुल मशरुके की कीमत लगभग 4,60,000/- को विधिवत जप्त किया गया । गिरफ्तार आरोपी 1. दिलीप पिता गोरेलाल सिंसोदिया जाति भीलाला उम्र 26 साल निवासी ग्राम अंजनगांव थाना बिस्टान । 2. तकदीर उर्फ कट्टा पिता रतनसिंह टकराना जाति सिकलीगर उम्र 38 साल निवासी ग्राम सिगनूर । गिरफ्तारशुदा आरोपी का अपराधीक रिकार्ड तकदीर उर्फ कट्टा पिता रतनसिंह टकराना जाति सिकलीगर उम्र 38 साल निवासी ग्राम सिगनूर । उक्त की गई कार्यवाही मे अनुविभागिय अधिकारी (पुलिस) अनुभाग भीकनगाँव श्री राकेश आर्य के मार्गदर्शन एवं प्रभारी गोगावां श्री दिनेश सोलंकी, थाना प्रभारी भीकनगाँव श्रीमति मीना कर्णावत, चौकी प्रभारी अहिरखेड़ा उनि धर्मेन्द्र यादव व प्रभारी बमनाला श्री शत्रुघन देशमुख के नेतृत्व मे सउनि शक्ति सिंह सिकरवार, प्रआर. मुत्तलिब खान, प्रआर.भोलाप्रसाद, प्र.आर. दिनेश मण्डलोई, प्रआर राजेन्द्र चौहान, आर.आशीष, आर. अनिल, आर.हरिश्चन्द्र, आर.राजेश, आर. राजेश जायसवाल, आर. अनिल बामनिया, आर.संतोष बामनिया, आर.विमल यादव,आर. हेमन्त सपकाले, आर.राहुल समुद्रे, आर.जितेन्द्र कौरव मिले, आर. सत्यम सोलंकी, आर राहुल पाली, आर.चोलाराम, आर. संदीप कुमार व साइबर टीम का विशेष योगदान रहा.

मेरा आंगन मेरी हरियाली अभियान को सफल बनाने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं ने श्री त्रिपुर माँ बाला सुंदरी देवी मंदिर के पुजारियो से भेंटकर सहयोग मांगा

भाजपा कार्यकर्ताओं ने माँ बाला सुंदरी देवी मंदिर, भगवान वाल्मीकि मंदिर, जाटव बस्ती और भगवान शिव मंदिर प्रांगण में पौधारोपण कर वातावरण को प्रदूषण मुक्त रखने का संकल्प लिया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर । देवबंद, स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के तहत शुरू हुए मेरा आंगन मेरी हरियाली अभियान को सफल बनाने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं ने श्री त्रिपुर माँ बाला सुंदरी देवी मंदिर के मुख्य पुजारी से भेंटकर सहयोग मांगा। इस दौरान भाजपा नगराध्यक्ष अरुण गुप्ता के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं श्री त्रिपुर माँ बाला सुंदरी देवी मंदिर पहुंचे और पुजारी पं. लोकेश शर्मा एवं विकास मोना से मिलकर अभियान की सफलता को सहयोग मांगा। जिस पर पुजारियों द्वारा भरपूर सहयोग का आश्वासन दिया गया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने माँ बाला सुंदरी देवी मंदिर, भगवान वाल्मीकि मंदिर, जाटव बस्ती और भगवान शिव मंदिर प्रांगण में पौधारोपण कर वातावरण को प्रदूषण मुक्त रखने का संकल्प लिया। इस दौरान राजेश अनेजा, जोगेंद्र जाटव, राममोहन सैनी, पवन धीमान, राजू कश्यप, अमित गर्ग, अजय जाटव, रंजीत वाल्मीकि, अजय गर्ग, राहुल शर्मा आदि मौजूद रहे।

सहारनपुर के देवबंद में श्री गीता भवन में हुआ गीता दर्पण पत्रिका का विमोचन

मानव सेवा ही ईश्वरीय पूजा है : अजय मित्तल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ देवबंद, श्री गीता भवन में श्री गीता प्रचार समिति सेवा ट्रस्ट (रजि.) के तत्वावधान में गीता दर्पण पुस्तिका सम्वत 2081वर्ष 2024 का विमोचन किया गया।कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि अजय मित्तल द्वारा दीप प्रज्वलित एवं श्रीहित राधा मोहन लाल जी को माल्यार्पण कार्यक्रम अध्यक्ष मास्टर रामशरण दास द्वारा पंडित विनय प्रकाश तिवारी ने मंत्रोच्चार के साथ कराया। पत्रिका का विमोचन करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मेपल्स एकेडमी स्कूल चैयरमैन अजय मित्तल ने कहा कि आज वह प्रथम बार गीता भवन में आए है और ट्रस्ट द्वारा म नर सेवा नारायण सेवा के तहत किये जा रहे कार्य को देखकर अभिभूत हूँ।अजय मित्तल ने बताया कि ऐसे ही नर सेवा नारायण सेवा शुक्रताल में निसहाय लोग जिनको हम प्रभु जी बोलते है उनको रेस्क्यू करके की जा रही है।उन्होंने कहा कि इसी प्रकार की सेवा करके हम अपना जीवन सफल बना सकते है।उन्होंने कहा कि ट्रस्ट द्वारा इस पत्रिका के माध्यम से अपना आय व्यय विवरण,पंचाग व आवश्यक जानकारी समाज को उपलब्ध कराई जा रही है वह बहुत ही सराहनीय कार्य है।जिसके लिये संस्था बधाई की पात्र है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि जनता स्कूल के पूर्व प्रधानाचार्य राजेन्द्र प्रसाद शर्मा द्वारा भी गीता भवन में किये जा रहे कार्यो की प्रशंसा की।कार्यक्रम की अध्यक्षता मास्टर रामशरण गर्ग द्वारा की गई। पत्रिका संयोजक रितेश बंसल एडवोकेट द्वारा गीता दर्पण पुस्तिका के विषय में विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम को दीपक राज सिंघल,बिजेश कंसल, देवीदयाल शर्मा,अजय गर्ग द्वारा भी संबोधित किया गया।संचालन सुधीर गर्ग द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ट्रस्ट के अध्यक्ष अजय बंसल, डॉ.आर्यवर्त शर्मा, डॉ,विजेंद्र गोयल, विपिन राज गर्ग,अखिल शर्मा, पंकज अग्रवाल, संजय मित्तल, सुनील बंसल,संयोजक सुशील कर्णवाल,आलोक गर्ग,सरोज शर्मा,मंजू शर्मा,मधु शर्मा, दुर्गेश,ममता वर्मा,गीता अग्रवाल, राजीव शर्मा,विजेंद्र गुप्ता,सुभाष मित्तल,मनोज बंसल,दीपक धीमान,सन्नी दत्ता,अरुण गोयल,बलवंत मित्तल,देवीदयाल गर्ग,मनीष गोयल,अन्नू सिंघल,प्रदीप सिंघल आदि उपस्थित रहे।

सहारनपुर में नकुड क्षेत्र में भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

ब्राह्मण त्यागी समाज के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर (नकुड), सहारनपुर जनपद के नकुड क्षेत्र में भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव बडे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने भगवान श्री परशुराम से प्रेरणा लेकर संगठित होने का आह्वान करते हुए समाज को सही दिशा दिखाने की बात कही। इस दौरान ब्राह्मण त्यागी समाज के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया नया गांव रोड स्थित ब्राह्मण धर्मशाला में भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। आयोजन में नगर एवं क्षेत्र के ब्राह्मण त्यागी समाज ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम में पहुंचे मुख्य अतिथि पूर्व सांसद राघव लखनपाल शर्मा ने कहा कि ब्राह्मण कभी गरीब नहीं रहा,उसे केवल गरीब दिखाने की कोशिश की गई है उन्होंने कहा कि ब्राह्मण सदा से ही समाज को शिक्षा देकर नई दिशा देने का काम करता रहा है। हमारे पूर्वज भगवान श्री परशुराम शस्त्र और शास्त्र दोनों के ही परम ज्ञाता थे, इसी प्रकार आज का ब्राह्मण भी शस्त्र और शास्त्र दोनों में ही निपुण है। जिसके पास शस्त्र और शास्त्र दोनों की विद्या होती है वह कभी गरीब नहीं हो सकता। उन्होंने समस्त समाज से संगठित होकर अपनी ताकत का अहसास कराने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सहारनपुर में टिकट लेने के समय दिल्ली में लखनऊ में सहारनपुर के नेता दिल्ली लखनऊ जाते थे और कहते थे कि ब्राह्मण तो सहारनपुर के अंदर 15 हजार है जो नेता ब्राह्मणों को कम बताते थे ब्राह्मण समाज आने वाले समय में उन नेताओं को जवाब देने का काम करेगा। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा एवं बार संघ सहारनपुर के अध्यक्ष अरविंद शर्मा एडवोकेट ने कहा कि समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित करना समाज का प्रमुख कर्तव्य है उन्होंने उपस्थित सभी जनों से कहा कि बच्चों को जितनी अधिक से अधिक शिक्षा दी जाए वह बेहतर है। भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव शोभायात्रा में सहारनपुर के संयोजक अतुल पाराशर एवं नकुड कोतवाल धर्मेंद्र गौतम ने सम्मानित होने वाले सभी बच्चों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद नकुड़ के अध्यक्ष शिव कुमार गुप्ता ने कहा कि भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर त्यागी-ब्राह्मण समाज ने मिलकर इतना सुंदर कार्यक्रम आयोजित किया है इसके लिए यह टीम धन्यवाद की पात्र है। उन्होंने घोषणा की है कि अगले वर्ष इस कार्यक्रम को नकुड अध्यक्ष की ओर से आयोजित किया जाएगा और इसकी भूमिका और दिव्यता को बढ़ाने के लिए पूर्ण प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर रविंद्र गुरु जी, सुनील शांडिल्य, अनिरुद्ध शर्मा, दुष्यंत शर्मा, प्रमोद शर्मा, अर्जुन पंडित, राजीव शर्मा, हरिओम त्यागी, राजेश त्यागी, दिग्विजय त्यागी, अभय पंडित, अंकित शर्मा आदि ने भी संबोधित किया। इससे पूर्व भगवान श्री परशुराम की माता जी के धाम मां श्री रेणुका देवी धाम से लाई गई पवित्र ज्योत को प्रज्जवलित किया गया। सम्मानित होने वाले प्रतिभाशाली बच्चों में अनन्या शर्मा, रोजी शर्मा, शिवांगी शर्मा, मोहित शर्मा, अंशिका शर्मा, आरजू शर्मा, सात्विक कौशिक, हिमांशी शर्मा, श्रेया शर्मा, निशांत कौशिक, अभिलाषा वत्स, हार्दिक त्यागी, वैष्णवी त्यागी, अन्नपूर्णा त्यागी, अग्रिमा शर्मा, कनक शर्मा, निक्की शर्मा, अश्वनी शर्मा आदि प्रमुख रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पण्डित श्री राम शर्मा और संचालक रोहित कौशिक एवं ऋषभ शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम संयोजक प्रदीप शर्मा ने आए हुए सभी अतिथियों एवं नकुड़ ब्लॉक के सभी उपस्थित ब्राह्मणों का का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में डॉ वीरेंद्र शर्मा, डॉक्टर राजकुमार शर्मा, अशोक शर्मा, अश्वनी शर्मा, रोहित शर्मा नगली, सुशील वत्स, राजकुमार, अभय पंडित, शुभम शर्मा, बजरंग दल नेता आदित्य शर्मा, आचार्य अमित, आचार्य अंकुर, आचार्य सतीश, आचार्य दीपक, राजकुमार शर्मा, हिमांशु शर्मा, कुलदीप शर्मा, मनोज शर्मा, राजेश शर्मा, हिमांशु शर्मा, ऋषिपाल शर्मा, तुषार शर्मा, गौरव शर्मा, अमित, कपिल, अशोक शर्मा, राकेश शर्मा, शिवांगी शर्मा, वंदना, कपिल, विनीता वशिष्ठ, अंजलि त्यागी आदि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने सेंट्रल वेयर हाउस का किया औचक निरीक्षण

सुरक्षा कर्मियों एवं ड्यूटी में तैनात अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर। जिला मजिस्ट्रेट डॉ0 दिनेश चंद्र जनता रोड स्थित सेंट्रल वेयर हाउस में पहुंचे और वहां रखी ईवीएम की सुरक्षा व्यवस्था को जांचा। ईवीएम की सुरक्षा को लेकर डीएम बेहद संवेदनशील हैं। डॉ0 दिनेश चंद्र सेंट्रल वेयर हाउस पर पहुंचे और काफी देर तक जांच-पड़ताल की। उन्होंने पिछले दिनों की सभी सीसीटीवी फुटेज निकलवाकर चेक की। वहां तैनात अर्धसैनिक बल के जवानों और पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए कि किसी वाहन को अंदर नहीं जाने दिया जाए। यदि कोई अधिकारी भी निरीक्षण को आ रहे हैं तो उनकी कार को चेक करें और उनकी पूरी पहचान करने के बाद ही अंदर जाने दिया जाए। सहारनपुर और कैराना लोकसभा सीट पर 19 अप्रैल को चुनाव हुआ था। मतदान के बाद ईवीएम को सेंट्रल वेयर हाउस में कड़ी सुरक्षा में रखे गए हैं। यहां अर्धसैनिक बलों और पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। पूरे सेंट्रल वेयर हाउस में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। एक कंट्रोल रूम बनाया है, जहां पर एलईडी लगाई गई है। डीएम सेंट्रल वेयर हाउस पहुंचे और कैमरों के अलावा ईवीएम की सुरक्षा परखी।

पुलिस के हत्थे चढे तीन शातिर वाहन चोर

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । बिहारीगढ, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर डॉ. विपिन ताडा के निर्देशन में जनपद में अपराध नियन्त्रण एवं वाहन चोरों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अनुपालन में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी बेहट के निकट पर्यवेक्षण में तथा थानाध्यक्ष बिहारीगढ के कुशल नेतृत्व में पुलिस टीम ने तीन शातिर वाहन चोरो कौशर पुत्र कामिल, शहनवाज पुत्र नूरहसन तथा अयान पुत्र इनाम निवासीगण ग्राम कुरडीखेडा थाना बिहारीगढ जनपद सहारनपुर को ग्राम कोठडी बहलोलपुर रोड पर मन्दिर के सामने से वाहनों की चैकिंग के दौरान गिरफ्तार किया है। उनकी निशानदेही पर चोरी की दो मोटर साइकिल, चार मोटर साइकिल के इंजन व मोटर साइकिल के अन्य पार्टस व पुर्जे को कौशर की मोटर साइकिल रिपयेरिंग की दुकान ग्राम कोठडी बहलोलपुर थाना बिहारीगढ से बरामद किये गये है। बरामदगी के आधार पर अभियुक्तगणों के विरुद्ध थाना बिहारीगढ पर मामला पंजीकृत किया गया है। अभियुक्तगण के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही कर समय से माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। गिरफ्तार अभियुक्तगणों ने पूछताछ पर संयुक्त रूप से बताया कि हम तीनों कोशर पुत्र कामिल व शहनवाज पुत्र नूरहसन व अयान पुत्र इनाम, अपने उस्ताद के साथ मिलकर बिहारीगढ, चिलकाना, मिर्जापुर, फतेहपुर, बेहट व सहारनपुर शहर से रैकी करके अलग- अलग जगहो से मोटर साईकिल चोरी करके उनके हिस्से पुर्जे अलग-अलग करके बाजार/राह चलते कबाडियो को बेच देते है और जो हमे पैसा मिलता है उसे आपस में बांट लेते है। जिससे हम अपने शौक पूरे करते है। कोशर की मोटर साईकिल की रिपेयरिंग की दुकान कोठडी बहलोलपुर मे है वही पर हम मोटर साइकिलो को काटकर उनके पुर्जों को अलग करके बेच देते हैं। अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष विनोद कुमार थाना बिहारीगढ जनपद सहारनपुर, उ0नि0 विनित चौधरी थाना बिहारीगढ जनपद सहारनपुर, उ0नि0 देवेश कुमार थाना बिहारीगढ जनपद सहारनपुर, है0का0 प्रदीप कुमार थाना बिहारीगढ जनपद सहारनपुर, का0 रवि कुमार थाना बिहारीगढ जनपद सहारनपुर, का0 उमेश कुमार थाना बिहारीगढ जनपद सहारनपुर, का0 लवलेश राठी थाना बिहारीगढ जनपद सहारनपुर शामिल रहे।

शार्ट होकर बिजली का केबिल सडक पर गिरा

भाजपा नगराध्यक्ष एवं कार्यकर्ताओं ने निरक्षण कर सम्बंधित अधिकारियों को अवगत कराया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, देवबंद नगर के एच. ए .वी. इंटर कॉलेज पर स्थापित बिजली ट्रांसफॉर्मर पर सड़क के बराबर में बिजली के केबल व लीड की प्लास्टिक शॉट होकर सड़क पर पड़े रहने के चलते दुर्घटना की संभावना को देखते हुए सूचना मिलते ही भाजपा नगराध्यक्ष अरूण गुप्ता व अन्य कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और निरीक्षण कर क्षेत्र वासियों की शीघ्र समस्या का निदान करने हेतु सम्बंधित अधिकारियों को अवगत कराते उनसे विचार-विमर्श किया। संबंधित अधिकारियों द्वारा अति शीघ्र समस्या का समाधान करने का आश्वासन भाजपाइयों को दिया। इस अवसर पर भाजपा नगराध्यक्ष अरूण गुप्ता,राम मोहन सैनी, अजय गर्ग, रंजीत वाल्मीकि, राम भटनागर, राहुल शर्मा, जोगेन्द्र जाटव एवं विद्युत अधिकारी गण उपस्थित रहे।

चीनी मिल गाँगनौली, गागलहेडी, टोडरपुर 12 जून तक व बिडवी 31 मई तक पेराई सत्र 2023-24 के बकाया गन्ना का करें भुगतान - जिलाधिकारी डा.दिनेश चंद्र

गन्ना मूल्य भुगतान के संबंध में जिलाधिकारी ने की बैठक

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभाकक्ष में जनपद की चीनी मिलों के अध्यासियों के साथ गन्ना मूल्य भुगतान के संबंध में बैठक आहूत की गयी। बैठक में जिलाधिकारी डा.दिनेश चन्द्र ने गन्ना मूल्य भुगतान में सबसे ज्यादा पिछड़ने वाली चीनी मिलों के प्रतिनिधि को कड़ी फटकार लगायी और त्वरित गति गन्ना मूल्य का भुगतान करने के निर्देश दिये। जिला गन्ना अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद की चीनी मिल, देवबन्द, शेरमऊ, नानौता व सरसावा द्वारा पेराई सत्र 2023-24 में देय समस्त गन्ना मूल्य का भुगतान कर दिया गया है। चीनी मिल, गाँगनौली पर 132.15 करोड रू0, चीनी मिल गागलहेडी पर 36.03 करोड रू0, चीनी मिल टोडरपुर पर 21.39 करोड रू0 तथा चीनी मिल बिडवी पर 7.68 करोड रू0 बकाया है। जिसके संबंध में चीनी मिल प्रतिनिधियो द्वारा अवगत कराया गया कि वे शीघ्र अति शीघ्र ही बकाया गन्ना मूल्य भुगतान करने का प्रयास कर रहे है। जिस पर जिलाधिकारी द्वारा चीनी मिल प्रतिनिधियों को कडे शब्दों में निर्देशित किया गया कि बिडवी चीनी मिल 31 मई तक शत-प्रतिशत भुगतान कराना सुनिश्चित करे। चीनी मिल गांगनौली, गागलहेडी एवं टोडरपुर चीनी मिल 12 जून तक शत-प्रतिशत भुगतान करना सुनिश्चित करें वरना चीनी मिल मालिकों के विरूद्ध कठोर से कठोर कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। इस अवसर पर जिला गन्ना अधिकारी सुशील कुमार, उप महा प्रबंधक चीनी मिल देवबंद विपिन त्यागी, यूनिट हेड चीनी मिल गंगनौली हरविश कुमार मालिक, महा प्रबंधक चीनी मिल गंगनौली अनिल कुमार चौहान, महा प्रबंधक चीनी मिल शेरमऊ पी0के0राठी, यूनिट हेड चीनी मिल गागलहेड़ी धनराज सिंह, सी जी एम चीनी मिल बिडवी अश्वनी सिंह, महाप्रबंधक चीनी मिल टोडरपुर भानू प्रताप सिंह, मुख्य गन्ना अधिकारी चीनी मिल नानौता डॉक्टर उपेंद्र कुमार, मुख्य गन्ना अधिकारी चीनी मिल सरसावा राजेश कुमार उपस्थित रहे।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग द्वारा तेंदूखेड़ा नगर में फेरी वाले कुल्फी,आइस क्रीम विक्रेताओं का किया गया औचक निरीक्षण

ग्राम झरौली में दूषित कुल्फी खाने से बीमार हुए बच्चों की सूचना पुलिस थाना तेंदूखेड़ा से हुई थी प्राप्त

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत डी.ओ. खाद्य सुरक्षा प्रशासन राकेश अहिरवाल के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा अधिकारी माधवी बुधौलिया ने तेंदूखेड़ा नगर में औचक निरीक्षण कार्यवाही करते हुए कुल्फी आइसक्रीम निर्माण में उपयोग होने वाले कस्टर्ड पाउडर के नमूनें जांच हेतु लिए। ग्राम झरौली में दूषित कुल्फी आइसक्रीम खाने से बच्चों के बीमार होने की सूचना पुलिस थाना तेंदूखेड़ा से प्राप्त हुई थी। उक्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्यवाही करते हुए तेंदूखेड़ा में वार्ड नं 06, राम मंदिर के पास स्थित खेमचंद साहू कुल्फी विक्रेता का औचक निरीक्षण किया गया। मौके पर उपलब्ध कुल्फी आइसक्रीम निर्माण में उपयोग होने वाले कस्टर्ड पाउडर के नमूने जांच हेतु लिए गए।

निरीक्षण की कार्यवाही में कुल्फी आइसक्रीम निर्माण में उपयोग होने वाली अन्य खाद्य सामग्री खोवा एवं दूध मौके पर उपलब्ध नहीं हो सके थे। खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा ग्राम झरौली में दूषित कुल्फी के खाने से बीमार हुए बच्चों एवं उनके परिवार के सदस्यों से मौके पर प्राप्त सूचना के आधार पर कुल्फी आइसक्रीम विक्रेता खेमचंद साहू के तेंदूखेड़ा नगर स्थित खाद्य परिसर का निरीक्षण किया गया है। इन खाद्य पदार्थ के नमूनों को जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर इस संबंध में नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुधीर कुमार कोचर ने सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा के साथ मतगणना स्थल का लिया जायजा

बुनियादी सुविधाओं के संबंध में दिये आवश्यक दिशा निर्देश

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम अनुसार लोकसभा निर्वाचन 07-दमोह संसदीय क्षेत्र की मतगणना 04 जून होगी। इसी के मद्देनजर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुधीर कुमार कोचर ने सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा के साथ आज स्थानीय पॉलीटेक्निक कॉलेज के विभिन्न कक्षों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कोचर ने मतगणना स्थल का जायजा लिया और वस्तुस्थिति जानी। उन्होंने मतगणना के कक्षों में पहुंचकर जायजा लिया। उन्होंने मतगणना स्थल पर आवागमन से लेकर पेयजल सहित बुनियादी सुविधाओं के बारे में नगरीय निकाय के सहायक परियोजना अधिकारी कपिल खरे को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। पंडाल व्यवस्था आदि के संबंध में चर्चा की गई। वाहन पार्किंग व्यवस्था के साथ गणना ऐजेंटो आदि लोगों के आने-जाने तथा अन्य सुविधाओं के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश दिये।

आचार सहिंता के बाद एमपी में होगी बड़ी प्रशासनिक सर्जरी

कलेक्टर-कमिश्नर और एसपी के होंगे तबादले

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ सतना/भोपाल। मध्य प्रदेश में आचार सहिंता के बाद बड़ी प्रशासनिक सर्जरी होगी। चार जून के बाद बड़े पैमाने पर तबादले होंगे। मंत्रालय से लेकर मैदान स्तर तक अधिकारियों की जिम्मेदारी बदलेगी। इसमें कलेक्टर, कमिश्नर और पुलिस अधीक्षक भी शामिल हैं.चार जून को लोकसभा चुनाव की मतगणना होने के बाद आदर्श आचार संहिता समाप्त हो जाएगी। इसके बाद किसी भी अधिकारी का तबादला करने के लिए चुनाव आयोग को प्रस्ताव नहीं भेजना पड़ेगा। जुलाई में मध्य प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र होगा, जिसमें मोहन सरकार का पहला पूर्ण बजट प्रस्तुत किया जाएगा। इसके पहले बड़ी प्रशासनिक सर्जरी की जा सकती है। लोकसभा चुनाव से पहले सरकार ने कुछ जिलों के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और कमिश्नर के तबादले किए थे। चुनाव के दौरान मिले फीडबैक के आधार पर कुछ अधिकारियों को स्थानांतरित किया जाना है। इसमें कानून-व्यवस्था से लेकर विभिन्न योजनाओं में प्रदर्शन आधार बनेगा। इसके लिए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के कामकाज का आकलन करने के निर्देश दिए हैं।

कृषि विज्ञान केन्द्र के माध्यम से किसान कर रहे अपने खेती में सुधार कार्य

लेजर लैंड लेवलर मशीन किसानों के लिए बेहद उपयोगी

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, कृषि विज्ञान केंद्र दमोह के मार्गदर्शन से अपने खेत में लेजर लैंड लेवलर मशीन को चलवाया, यह आधुनिक मशीन हमारे उबड़ खाबड़ खेतों को समतलकरण करने का कार्य करती हैं। ग्राम मिर्जापुर के प्रगतिशील किसान कुलदीप पटैल कहते हैं लेजर लैंड लेवलर को लेजर समतल भी कहा जाता हैं। यह मशीन किसानों के लिए बेहद उपयोगी हैं। विशेषकर ऐसे किसानों के लिए जिनके खेत पूर्ण रूप से समतल नहीं हैं। उबड़-खाबड़ हैं जिससे उन्हें फसल बोने, उवर्रक व पानी देने आदि कार्यों में काफी परेशानी होती हैं।

इस सबंध में कृषि वैज्ञानिक मनोज अहिरवार कहते हैं इस उपकरण के लाभों में से खेत समतलीकरण होने से खेती करना आसान हो जाता है। साथ ही खेत में खड़ी फसल पर समान रूप से सिंचाई होती है जिससे पानी की बचत होती है। इसी प्रकार पानी का अधिकतम उपयोग होता है और 40 प्रतिशत तक पानी की बचत कर देता है। पूरे खेत में पानी का समान वितरण व निकास की व्यवस्था सही तरीके से हो जाती है। सभी तरफ से खेत समतल होने से बुवाई का काम सरलता व तेजी से किया जा सकता है। समतल खेत में बीजों का जमाव अच्छा होता है जिससे फसल अच्छी होती है। जलभराव की समस्या और मृदा कटाव की समस्या दूर हो जाती हैं। पोषक तत्वों व उरर्वक को एक समान खेत में दिया जा सकता है। इसी प्रकार निदाई-गुड़ाई के काम में कम समय लगता है जिससे लागत को कम किया जा सकता है। जल संसाधनों का आसानी से कुशल उपयोग कर सकते है। उन्होंने बताया इस प्रकार उक्त मशीन के अनेक फायदे किसानों को हैं। वर्तमान समय टेक्नोलॉजी का हैं, किसानों के लिए विभिन्न प्रकार की मशीने तैयार की जा रही हैं जिनके लिए सरकार और कृषि विभाग लगातार कार्य कर रही हैं। जरूरत हैं तो सिर्फ किसानों को कृषि विज्ञान केन्द्रो से जुड़कर उनके मार्गदर्शन में खेती करने की।

युवक ने घर पर फांसी लगाकर आत्म हत्या की

पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना मे लिया

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ हिण्डोरिया, नगर के एक युवक ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली । मृतक के जेब से एक पत्र भी मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है। प्राप्त जानकारी में पुलिस को सुबह सूचना मिली थी कि नगर के वार्ड नंबर क्या मुहल्ला वार्ड 04 में मृतक युवक वीरेंद्र चक्रवर्ती पिता मुन्नालाल चक्रवर्ती उम्र 25 वर्ष ने सुबह लगभग 08 बजे अपने घर में किसी अज्ञात कारणवश फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मर्ग क्रं. 30/24 धारा 174 जा. फौ. कायम कर पंचनामा कार्यवाही करते हुए शव को परिक्षण हेतु जिला चिकित्सालय दमोह भेज दिया। एवं मामले की विवेचना प्रारंभ कर दी। सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि मृतक के ऊपर धारा 325 के तहत पुलिस थाने में मामला दर्ज था । पुलिस द्वारा भी मृतक की तलाश की जा रही थी । इसके अलावा एक महिला को भी अपने साथ भगा कर ले जाने की भी जानकारी प्राप्त हुई है । साथ ही मृतक के जेब में भी एक सुसाइड नोट मिला है । जिसमें कुछ लोगों के नाम भी मृतक ने लिख रखे थे। फिलहाल सच्चाई पुलिस की सघन तहकीकात के बाद सामने आ पाएगी।

कटनी ट्रैफिक पुलिस ने बुलेट चालकों पर की कार्यवाही

6 वाहन चालकों पर हुई चलनी कार्यवाही

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी जिले की ट्रैफिक पुलिस ने बुलेट चालकों पर कार्यवाही की जिन्होंने अपनी बुलेट में मानक से अधिक ध्वनि के साइलेंसर लगाए हुए थे। ट्रैफिक पुलिस ने कार्यवाही के दौरान पाया की ने बुलट में मानक से अधिक ध्वनि के साइ

लेंसर लगाए हुए जो तेज आवाज आती है। ट्रैफिक पुलिस ने बताया की पुलिस की पैनी नजर है। ऐसे में शोर मचाने वाले बुलेट पकड़े की कार्यवाही की जा रही हैं। एसपी की ओर से आदेश जारी कर दिया गया है। अब यातायात पुलिस लोगों की समस्या को देखते हुए ऐसे बुलेट चालकों पर चालानी कार्रवाई कर रही है जिन्होंने अतिरिक्त साउंड के लिए साइलेंसर लगाए हुए हैं. अतिरिक्त साउंड वाले साइलेंसर लगे होने के कारण रोड़ों पर चलने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है जिससे हादसे भी हो रहे हैं. यातायात पुलिस ने अभियान चला अभियान के तहत ऐसे बुलेट चालकों को चिन्हित किया जा रहा है जिन्होंने अपनी बुलेट में अतिरिक्त साउंड के लिए साइलेंसर लगाए हैं ऐसे बुलेट चालकों पर अब कोर्ट चालान जैसे कार्रवाई भी की जा रही है। कटनी जिले में शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र में शोर मचाने वाले बुलेट पर सीधे तौर पर कार्रवाई की जाने की दिशा कदम उठाया जा रहा है। यातायात सूबेदार राहुल पाण्डेय ने बताया कि लगातार बुलट चालकों के संबंध में शिकायत मिल रही थी। बुलेट चालकों ने अपनी बुलेट में मानक से अधिक ध्वनि के साइलेंसर लगाए हैं। जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. चालानी कार्यवाही के दौरान 6 वाहन चालकों के चालान बनाए हैं और उनसे जुर्माना वसूला। यातायात सूबेदार ने बताया कि सड़क पर ऐसे कर्कश ध्वनि वाले साइलेंसर से निकलने वाली आवाज के बुलेट व बाइक चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और ध्वनि प्रदूषण व मोटर वाहन अधिनियम की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

कटनी में देर रत हुई संदिग्धों की चैकिंग

पुलिस ने मोटर सायकल पर सवार होकर की चेकिंग

सुनील यादव । सिटी चीफ काटनी, अपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों की गतिविधियों पर सतत निगाह रखने और उनके अपराधिक कृत्यों पर अंकुश लगाकर उनके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्यवाही किए जाने हेतु देर रात्री थाना प्रभारी रंगनाथ नगर के प्रभारी नवीन नामदेव अपने पुलिस स्टाप द्वारा मोटर सायकल पर सवार होकर रंगनाथ नगर थाना क्षेत्र जयहिंद चौक , भीमराव चौक, लखेरा, ऑर्डिनेश फेक्ट्री इलाका, साथ स्टेशन, मंगलनगर क्षेत्र में दविश दी गई और संदिग्धों की चैकिंग की गई। चैकिंग के दौरान बे वजह घूम रहे लोगो को समझाइश दी की बिना वजह कही भी न घूमे।

पुलिस द्वारा अचानक दी गई दविश के कारण अपराधियों में दहशत का माहौल है। दविश के दौरान सार्वजनिक स्थान पर शराब का सेवन करते कई लोग पाए गए और कई लोग जो संदिग्ध दिखाई दिए उन पर कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान ही मुखबिर की सूचना पर लखेरा के लाल पहाड़ी के बाजू की सुनसान सड़क , मंगलनागर , साउथ रेल्वे स्टेशन के पीछे एवं झर्रा टिकुरिया रेल्वे लाईन के किनारे कई संदिग्धों को घेराबंदी करके पकड़ा गया व उनसे पूछताछ की जा रही है।

बिजली के तार से करंट लगने से बालक की हुई मौत, परिजनों में मचा कोहराम

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, सहारनपुर जनपद के गंगोह थाना क्षेत्र के ग्राम घाटमपुर में बिजली के तार की चपेट में आने से एक 12 वर्षीय बालक की मौत हो गई। बालक की मौत से उसके परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों एवं ग्रामीणों ने विद्युत विभाग के कर्मचारियों पर घोर लापरवाही का आरोप लगाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमजद पुत्र साजिद सड़क पर खेल रहा था इसी दौरान वह सड़क पर पड़े विद्युत तार की चपेट में आ गया।आनन-फानन में ग्रामवासी बच्चे को गंगोह सीएचसी लेकर गए। जहां डॉक्टर ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों का आरोप हैं कि विद्युत विभाग के कर्मचारी की लापरवाही सामने आई है। जानकारी के मुताबिक बिना शटडाउन लिए चलती लाइन से तार काटने से नीचे गली में खेल रहे बालक की तार के चपेट में आने से मौत हुई है। घटना के बाद से परिजनों व ग्रामवासियों में विद्युत विभाग के प्रति भारी रोष व्याप्त है।

इजराइल की गाजा के शहर रफह पर एयर स्ट्राइक

45 लोगों की मौत, मरने वालों में महिला-बच्चे शामिल

तेल अवीवः इजराइल को दक्षिणी गाजा के शहर रफह पर हमलों के लिए सोमवार को फिर से निंदा का सामना करना पड़ा। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि इस हमले में कम से कम 45 फलस्तीनियों की मौत हो गई, जिनमें आग की चपेट में आए तंबुओं में रहने वाले विस्थापित लोग भी शामिल हैं। इजराइल को हमास के खिलाफ अपने युद्ध के चलते बढ़ती अंतरराष्ट्रीय आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

इजराइल के करीबी सहयोगियों खासकर अमेरिका ने नागरिकों की मौत पर नाराजगी जताई है। इजराइल इस बात पर जोर देता है कि वह अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करता है, जबकि उसे दुनिया की शीर्ष अदालतों में जांच का सामना करना पड़ रहा है। इनमें से एक अदालत ने पिछले हफ्ते इजराइल से कहा था कि वह रफह में हमले को रोक दे। इजराइल ने कहा कि हमास के ठिकानों पर हमला करने और दो आतंकवादियों को मार गिराने के बाद वह नागरिकों की मौत की जांच कर रहा है।

गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, रविवार रात का हमला युद्ध के सबसे घातक हमलों में से एक प्रतीत होता है, जिसके कारण युद्ध में मरने वाले कुल फलस्तीनियों की संख्या 36,000 से अधिक हो गई है। गाजा का स्वास्थ्य मंत्रालय इस आंकड़े को तैयार करने में सेनानियों और गैर-लड़ाकों के बीच अंतर नहीं करता है। इजराइल के करीबी यूरोपीय सहयोगी फ्रांस ने कहा कि वह हिंसा से 'आक्रोशित है।

फ्रांस के राष्ट्रपति राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''ये अभियान बंद होने चाहिए। फलस्तीनी नागरिकों के लिए रफह में कोई सुरक्षित क्षेत्र नहीं हैं। मैं अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रति पूर्ण सम्मान और तत्काल युद्धविराम का आह्वान करता हूं। एक अलग घटनाक्रम में मिस्र की सेना ने अधिक विवरण दिए बिना कहा कि रफह क्षेत्र में गोलीबारी के दौरान उसके एक सैनिक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इजराइल ने कहा कि वह मिस्र के अधिकारियों के संपर्क में है और दोनों पक्षों ने कहा है कि वे जांच कर रहे हैं।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का कहना है कि इजराइल को रफह में हमास की आखिरी बची हुई बटालियनों को नष्ट करना होगा। इटली के रक्षा मंत्री गुइडो क्रोसेटो ने कहा कि रफह में बमबारी का इजराइल पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ेगा। संघर्ष विराम और हमास द्वारा बंधक बनाए गए बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने के प्रयासों में इजराइल और हमास के बीच एक प्रमुख मध्यस्थ कतर ने कहा कि हमले वार्ता को 'जटिल बना सकते हैं, जो फिर से शुरू होती दिख रही है। पड़ोसी देश मिस्र और जॉर्डन ने भी रफह पर हमलों की निंदा की है। मिस्र के विदेश मंत्रालय ने तेल अल-सुल्तान पर हमले को 'मानवीय अंतरराष्ट्रीय कानून के नियमों का स्पष्ट उल्लंघन बताया।

यू.ए.ई. के हवाई अड्डों पर जांच प्रक्रिया सख्त

बैंक बैलेंस 60 हजार नहीं, तो वापस आना पड़ सकता है भारत

नेशनल डेस्क- आप भी अगर पहली बार संयुक्त अरब अमीरात (यू.ए.ई.) छुट्टी मनाने के लिए जा रहे हैं तो अबू धाबी या दुबई पहुंचने से पहले यह जरूर सुनिश्चित कर लें कि आपके बैंक खाते या क्रेडिट कार्ड का मिनिमम बैलेंस 60 हजार रुपये हो आपके पास रिटर्न टिकट भी हो। ऐसा नहीं होने पर आपको यू.ए.ई. के एयरपोर्ट से ही वापस भारत आना पड़ सकता है। चूंकि टूरिस्ट वीजा के दुरुपयोग को रोकने के लिए यू.ए.ई. ने अब जांच प्रक्रिया को सख्त कर दिया है। यात्रियों की गहन छानबीन एयरपोर्ट पर की जा रही है। इन दोनों शर्तों को पूरा न करने वाले कई यात्रियों को दुबई और अबू धाबी एयरपोर्ट से वापस भारत भेजा भी गया है।

तमिलनाडु और केरल के यात्रियों की गहन छानबीन

मीडिया की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि तमिलनाडु और केरल से पहली बार यू.ए.ई. जाने वाले यात्रियों की गहनता से छानबीन की जा रही है। दुबई और अबू धाबी एयरपोर्ट पर उक्त दोनों शर्तों को पूरा न करने वाले कई यात्रियों को एयरपोर्ट से ही वापस भारत भेजा गया है। रिपोर्ट के मुताबिक इस समय मिडिल-ईस्ट की यात्रा करने वालों की संख्या काफी बढ़ गई है। इस वजह से किराए में भी वृद्धि हो गई है।

वहीं एयरलाइंस कंपनियों ने भी अकेले यात्रा करने वाले वीजा धारक 20 से 35 साल के यात्रियों की चैकिंग भी कड़ी कर दी है ताकि उन्?हें डिपोर्ट होने से बचाया जा सके। अगर कोई देश किसी यात्री को डिपोर्ट करता है तो उसे उसके मूल देश वापस लाने की जिम्मेदारी उसे ले जाने वाली एयरलाइंस की ही होती है। इसी वजह से तमिलनाडु और केरल के एयरपोर्ट्स पर चेक-इन में ज्यादा वक्त लग रहा है।

टूरिस्ट वीजा की आड़ में में नौकरी

ट्रैवल और टूर ऑपरेटर्स ने भी अब यात्रियों को यू.ए.ई. इमिग्रेशन द्वारा की गई सख्ती से अवगत कराना शुरू कर दिया है और सभी नियम और शर्तों को पूरा करके ही यात्रा करने की सलाह दे रहे हैं। चेन्?नई मेट्रो ट्रैवल्स के बशीन अहमद के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि यू.ए.ई. ने सख्ती इसलिए की है क्योंकि कुछ लोग यू.ए.ई. में टूरिस्?ट वीजा की आड़ में काम करने जा रहे हैं। कुछ लोग अपनी रिटर्न टिकट कैंसिल कर देते हैं और यू.ए.ई. में ही रुक जाते हैं।

इजराइल-मिस्र के सैनिकों के बीच गोलीबारी, एक सैनिक की मौत

इंटरनेशनल डेस्कः इजरायल के सैन्य हमलों में दक्षिणी गाजा शहर राफा के पश्चिमी तट में हमास के चीफ ऑफ स्टाफ यासीन रबिया की मौत हो गई। इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) ने सोमवार को बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर रविवार शाम उत्तर-पश्चिम राफा में ताल अस सुल्तान के इलाके में हमला किया गया था, जिसमें फिलीस्तीनी आतंकवादी संगठन हमास का चीफ ऑफ स्टाफ यासीन रबिया मारा गया। गौरतलब है कि राबिया ने पूरे पश्चिमी तट पर हमास के हमलों की योजना बनाई थी। इसके अलावा उसने 2001 और 2002 में कई जानलेवा हमले किये थे, जिसमें इजरायली सैनिक मारे गये। आईडीएफ के अनुसार हमास के वेस्ट बैंक मुख्यालय में एक वरिष्ठ अधिकारी खालिद नागर भी इजरायली हवाई हमले में मारा गया। उसने कथित तौर पर वेस्ट बैंक में हमलों का निर्देश दिया और गाजा पट्टी में हमास की गतिविधियों के लिए धन हस्तांतरित किया। आईडीएफ ने आशंका जतायी है कि हमले और गोलीबारी में कई नागरिक घायल हुए हैं। अब इस मामले में दोनों देश एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप कर रहे हैं। मिस्र ने कहा कि इजरायल ने पहले गोली चलाई है। जबकि इजरायल की एजेंसी ने कहा है कि मिस्र की ओर से पहले गोली चली है। मिस्र के सूत्रों ने इस घटना के लिए इज़राइल को दोषी ठहराया है, अल अरबिया को बताया कि राफा चेकपॉइंट पर गोलीबारी 卐इजरायल की ओर से शुरू हुई।卐इज़रायली सूत्रों का दावा है कि मिस्रवासियों ने पहले गोलीबारी शुरू की, आईडीएफ सैनिकों ने हवा में जवाबी फायरिंग की। मिस्र के एक सैनिक की जान चली गई, और 2 अन्य घायल हो गए। फिलहाल, इजरायली पक्ष की ओर से किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

पाकिस्तानी सेना और आतंकवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में 23 आतंकवादी ढेर

गोलीबारी में पांच सैनिकों की भी मौत

इस्लमाबादः पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत में रविवार से हुई अलग-अलग मुठभेड़ में प्रतिबंधित संगठन टीटीपी के कम से कम 23 आतंकवादी मारे गए जबकि सात सैनिकों की मौत हो गई। सेना ने सोमवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तानी सेना के मीडिया विंग के एक बयान के अनुसार, मुठभेड़ रविवार और सोमवार को हुई। सेना ने कहा, खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में तीन अलग-अलग अभियानों में सुरक्षा बलों ने 23 आतंकवादियों को मार गिराया। सेना ने कहा कि रविवार को पेशावर के पास हसन खे़ल इलाके में एक खुफिया जानकारी के आधार पर अभियान चलाया गया, जिसमें सुरक्षा बलों ने छह आतंकवादियों को मार गिराया। हालांकि मुठभेड़ में एक अधिकारी और एक सैनिक की मौत हो गई। सोमवार को प्रांत के टैंक जिले में चलाए गए एक अन्य अभियान में, पाकिस्तानी सैनिकों ने आतंकवादियों के ठिकाने पर जोरदार हमला किया, जिसके परिणामस्वरूप दस आतंकवादी मारे गए। तीसरी मुठभेड़ खैबर जिले के बाग इलाके में हुई, जिसमें सुरक्षा बलों ने सात आतंकियों को मार गिराया, जबकि दो घायल हो गए। हालांकि, भीषण गोलीबारी के दौरान पांच सैनिक की मौत हो गई। सेना के अनुसार कि मारे गए आतंकवादियों के पास से बड़ी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक भी बरामद किए गए।

दिल्लीवालों के छूट गर्मी से पसीने, 49 पहुंचा पारा, जानिए कब मिलेगी राहत

नेशनल डेस्क- देशभर में गर्मी का कहर जारी है और राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली भी इससे अछूती नहीं है। हाल ही में, 27 मई को दिल्ली के कुछ हिस्सों में तापमान ने 48 डिग्री सेल्सियस का आंकड़ा पार कर लिया। आने वाले दिनों में भी लू से राहत मिलने की संभावना कम है।

सीजन का सबसे गर्म दिन रहा सोमवार

दिल्ली के सफदरजंग वेधशाला में सोमवार को सीजन का दूसरा सबसे अधिक अधिकतम तापमान 45.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 4.7 डिग्री अधिक था। न्यूनतम तापमान 29.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पूरे दिल्ली में रविवार को अब तक का सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 45.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जो इस मौसम का पहला लू का दिन था।

48.8 डिग्री पहुंचा तापमान

सोमवार को मुंगेशपुर मौसम केंद्र में अधिकतम तापमान 48.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से आठ डिग्री अधिक था। यहां न्यूनतम तापमान 27.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दक्षिण पश्चिम दिल्ली के नजफगढ़ में अधिकतम तापमान 48.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से आठ डिग्री अधिक था। पालम में अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से पांच डिग्री अधिक था।

नजफगढ़ और मुंगेशपुर में इतनी गर्मी क्यों?

आईएमडी के क्षेत्रीय प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव के अनुसार, नजफगढ़ और मुंगेशपुर में अधिक तापमान होने का कारण ये है कि ये इलाके शहर के बाहरी हिस्सों में स्थित हैं। इसके अलावा, हवा की दिशा भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पश्चिम से चलने वाली हवा पहले इन क्षेत्रों को प्रभावित करती है, जिससे यहां तापमान तेजी से बढ़ता है।

अभी जारी रहेगा गर्मी का सितम

श्रीवास्तव ने बताया कि दिल्ली में लू का प्रकोप अगले कुछ दिनों तक जारी रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, इस सप्ताह दिल्ली में अधिकतम तापमान 44 से 48 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। सोमवार से गुरुवार तक दिल्ली में गर्मी का रेड अलर्ट जारी किया गया है।

सीने में दर्द होने के 4 घंटे के भीतर हार्ट अटैक से बचा सकती है एस्प्रिन की गोली

नेशनल डेस्क- एस्पिरिन के सेवन से हार्ट अटैक को रोकने के बारे में कई अध्ययन पहले भी आ चुके हैं, लेकिन हाल ही एक अध्ययन में कहा गया है कि सीने में अचानक बहुत तेज दर्द होने पर इसके चार घंटों के अंदर एस्प्रिन की गोली ले लेनी चाहिए। इससे हार्ट अटैक के खतरे को कम किया जा सकता है। जर्नल ऑफ अमरीकन हार्ट एसोसिएशन के इस अध्ययन में निष्कर्ष निकाला है कि 325 मिलीग्राम एस्पिरिन के प्रारंभिक सेवन से 2019 में अमेरिका में 13,980 एक्यूट मायोकार्डियल से होने वाली मौतों में देरी होने का अनुमान लगाया गया था।

सीने के दर्द को कम करती है 5 मिलीग्राम सोर्बिट्रेट

डॉक्टरों के मुताबिक एस्पिरिन का आपको सावधानी के साथ सेवन करना चाहिए। हालांकि यदि मरीज को सीने में असहनीय दर्द के साथ बहुत पसीना और चक्कर आने लगते हैं तो ऐसे में वे 325 मिलीग्राम की एस्पिरिन की तीन गोलियों को क्रश कर के तुरंत खा सकते हैं। इसके अतिरिक्त वो 5 मिलीग्राम सोर्बिट्रेट को अपनी जीभ के नीचे रख सकते हैं ताकि सीने में हो रहे दर्द को कम किया जा सके।

थक्के बनने से भी रोकती हे एस्पिरिन

एक मीडिया रिपोर्ट में अपोलो अस्पताल के वरिष्ठ सलाहकार और सर्जिकल प्रमुख डॉ. निरंजन हिरेमथ के हवाले से कहा गया है कि हम सीने में तीव्र दर्द, बेचैनी, बाहों, गर्दन या जबड़े में जकड़न, सांस लेने में परेशानी, पसीना या चक्कर आने जैसे लक्षणों में एस्पिरिन लेने की सलाह देते हैं, जो संभावित दिल के दौरे के संकेत हैं। उन्होंने कहा कि एस्पिरिन खून को पतला करने और थक्के बनने की प्रक्रिया को कम करने में मदद कर सकती है। धर्मशिला नारायण अस्पताल में कार्डियोलॉजी के निदेशक और वरिष्ठ सलाहकार डॉ. समीर कुब्बा का कहना है कि एस्पिरिन साइक्लो-ऑक्सीजिनेज को रोककर एक एंटी-प्लेटलेट एजेंट के रूप में काम करता है, जो बदले में थ्रोम्बोक्सेन ए 2 के उत्पादन को कम करता है। यह तंत्र रक्त के थक्कों के निर्माण को रोकने में मदद करता है जो कोरोनरी धमनियों को अवरुद्ध कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मृत्यु दर को कम करने और थक्का बनने की प्रगति को रोककर परिणामों में सुधार करने के लिए सीने में दर्द की शुरुआत के तुरंत बाद एस्पिरिन लेनी चाहिए।

अमेरिकी बिशप ने आदर्श नस्ल पैदा करने के लिए किया महिलाओं का अपहरण

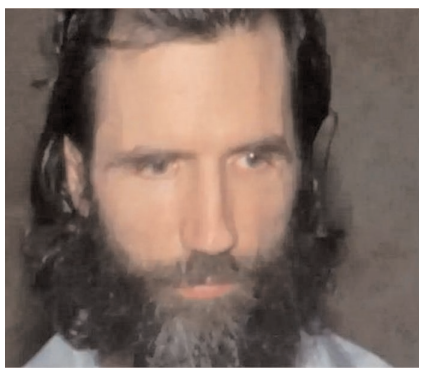

इंटरनेशनल डेस्कः अमेरिका के स्वयंभू बिशप द्वारा एक आदर्श नस्ल पैदा करने के लिए महिलाओं का अपहरण करने व उनको सैक्स गुलाम बनाकर रखने का सनसनीखेज खुलासाहुआ है। हालांकि इ स स्वयंभू बिशप गैरी हेडनिक को छह महिलाओं का अपहरण करने और उन्हें फिलाडेल्फिया में अपने तहखाने में यौन दासी के रूप में रखने के लिए 6 जुलाई, 1999 को फाँसी दे दी गई थी लेकिन मामले का खुलासा हाल ही में एक पीड़िता की बहन ट्रेसी लोमैक्स ने इंटरव्यू के दौरान किया है। ष्टहह के साथ बातचीत में ट्रेसी लोमैक्स ने बिशप के खिलाफ मामले के हर विवरण को याद किया जिसने उसकी बहन सैंड्रा लिंडसे और पांच अन्य अश्वेत महिलाओं का अपहरण कर लिया था। पीड़ित महिलाओं में से दो, लिंडसे और डुडले की तहखाने में हेडनिक द्वारा दी गई यातना के परिणामस्वरूप मृत्यु हो गई। रिवेरा, जिसने चार महीने कैद में बिताए, अंततः भागने में सफल रही, जिससे शेष तीन महिलाओं को बचाया गया और हेडनिक की गिरफ्तारी हुई थी । लोमैक्स ने खुलासा किया कि कैसे उसकी बहन लिंडसे और एक अन्य पीड़ित की हत्या करने से पहले हेडनिक ने उन्हें पानी से भरे गड्ढे में पकड़ लिया और उनके साथ दुर्व्यवहार किया। उन्होंने भयावह यादों को ताजा करते हुए बताया कि बिशप द्वारा उसकी बहन लिंडसे को भूखा रखा गया और बेड़ियों से बांध दिया गया था। दशकों बाद, हेडनिक पेंसिल्वेनिया में फाँसी पाने वाला अंतिम व्यक्ति बना। लोमैक्स ने बताया कि हेडनिक के अपराधों को पीपुल मैगज़ीन इन्वेस्टिगेट्स- सर्वाइविंग ए सीरियल किलर के एपिसोड में दिखाया गया है। एपिसोड में बताया गया कि हत्यारा बिशप 1986 में शहर के उत्तरी हिस्से में एक घर में रह रहा था और वह काफी संपन्न था। मानसिक बीमारी के लक्षण दिखने पर बिशप को सम्मानपूर्वक सेना से छुट्टी दे दी गई। उस छुट्टी के कारण उसे सरकार से जो चेक प्राप्त हुए उन्हें हेडनिक ने शेयर बाजार में निवेश करके उन चेकों को लाखों डॉलर में बदल दिया। उसने अपना पैसा भव्य घर में निवेश करने के बजाय कैडिलैक और रोल्स रॉयस खरीदने में लगाया। इतना ही नहीं, उसने अपना चर्च, यूनाइटेड चर्च ऑफ द मिनिस्टर्स ऑफ गॉड शुरू किया और खुद को बिशप के रूप में नियुक्त किया। लोगों ने बताया कि हेडनिक ने टैक्स से बचने के लिए चर्च का इस्तेमाल किया, जिसे वह अपने घर से बाहर चलाता था। हेडनिक के अंतिम बचाव वकील चक पेरुटो ने खुलासा किया कि उनके मुवक्किल ने अपहरण के बाद उन महिलाओं के साथ क्यों बलात्कार की योजना बनाई थी। चक पेरुटो ने बताया कि उनके मुवक्किल का लक्ष्य अपहृत की गई महिलाओं को अपने बेसमेंट में रेप करके गर्भवती कर एक आदर्श नस्ल पैदा करना था। उसका मानना था कि उसके होने वाले बच्चे आधे-काले, आधे-सफ़ेद होंगे जिन पर दुनिया का कोई बाहरी प्रभाव नहीं पड़ने वाला था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569